Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 228 | शुक्रवार, 28 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

नेपाल में जलप्रलयः 392 की मौत, करीब 1,500 लापता; 288 भारतीयों से संपर्क टूटा, राहत-बचाव में जुटी टीमें

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

काठमांडू। नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ ने हिमालयी क्षेत्र में भारी तबाही मचा दी है। अचानक आई फ्लैश फ्लड में नेपाल और तिब्बत में अब तक 392 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि करीब 1,468 लोग लापता बताए जा रहे हैं। इनमें 288 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। लगातार जारी तलाश और राहत अभियान के बीच मृतकों और लापता लोगों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

बाढ़ की सबसे ज्यादा तबाही नेपाल के भोटेकोशी नदी क्षेत्र और रसुवा जिले में हुई है। प्रारंभिक जांच के मुताबिक हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर के टूटने से अचानक भारी मात्रा में पानी, बर्फ, मलबा और पत्थर नीचे की ओर आए, जिसने रास्ते में आने वाले गांवों, सड़कों,

पुलों और अन्य बुनियादी ढांचे को तबाह कर दिया। इस घटना को लेकर पहले भूकंप की आशंका जताई गई थी, लेकिन बाद में इसे ग्लेशियर से जुड़ी घटना बताया गया। नेपाल में हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। बचाव दल मलबे और बाढ़ प्रभावित इलाकों में लगातार तलाश अभियान चला रहे हैं। नेपाल में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिकों के लापता होने के बाद भारत सरकार ने राहत और खोज अभियान तेज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार 288 भारतीयों से संपर्क नहीं हो पाया है, जबकि 21 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। भारतीय वायुसेना के माध्यम से राहत सामग्री और आवश्यक सामान पहुंचाने की तैयारी भी की गई है।

बाढ़ की रफ्तार इतनी तेज थी कि कई महत्वपूर्ण सड़कें और पुल बह गए। इसके कारण प्रभावित इलाकों तक राहत दलों की पहुंच मुश्किल हो रही है। नेपाली सेना, सशस्त्र पुलिस और पुलिस की टीमें हेलीकॉप्टरों और अन्य साधनों से लोगों की तलाश में जुटी हैं। खराब मौसम और दुर्गम पहाड़ी इलाकों के कारण बचाव अभियान में भी लगातार चुनौतियां सामने आ रही हैं।

आपदा का असर कैलाश मानसरोवर यात्रा और हिमालयी पर्यटन मार्गों पर भी पड़ा है। बड़ी संख्या में तीर्थयात्री और विदेशी पर्यटक प्रभावित क्षेत्रों में फंसे या लापता बताए गए हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों के नागरिक भी लापता लोगों में शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बातचीत कर भारत की ओर से हर संभव मानवीय सहायता का भरोसा दिया है। भारत की ओर से राहत सामग्री, दवाएं, अस्थायी आश्रय, कंबल, स्वच्छता किट और सौर लैंप सहित आवश्यक सामान भेजा गया है। नेपाल में हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। बचाव दल मलबे और बाढ़ प्रभावित इलाकों में लगातार तलाश अभियान चला रहे हैं। अधिकारियों को आशंका है कि दुर्गम क्षेत्रों से और शव मिलने तथा लापता लोगों की संख्या में बदलाव होने के बाद आपदा की वास्तविक भयावह तस्वीर और स्पष्ट हो सकती है।

जबलपुर में 472 करोड़ के टैंक ओवरहाल प्रोजेक्ट की शुरूआत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को जबलपुर की व्हीकल फैक्ट्री में T-72 और T-90 टैंकों के ओवरहॉल (मरम्मत और नवीनीकरण) के लिए एक सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने इसे भारत की रक्षा निर्माण क्षमताओं और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। इस मौके पर रक्षा मंत्री ने कहा कि यह दिन भारत की औद्योगिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक नया मील का पत्थर है। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और मंत्री राकेश सिंह भी मौजूद थे।

रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में मध्य प्रदेश की भूमिका पर जोर देते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, 'ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में 3,073 हेक्टेयर जमीन पर रक्षा निर्माण की क्षमता और 16,960 करोड़ रुपये से ज्यादा के प्रस्तावित निवेश, इस दिशा में राज्य की महत्वाकांक्षी सोच को दशार्ते हैं। ये कोशिशें मध्य प्रदेश को भारत का अगला बड़ा रक्षा और एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे इस बात की खास खुशी है कि 472 करोड़ रुपये का यह प्रोजेक्ट हमारे स्थानीय टैलेंट और टेक्निकल वर्कफोर्स के लिए भी मौके पैदा करेगा।

हमारे युवाओं में हुनर की कोई कमी नहीं है; उन्हें बस मौके, टेक्नोलॉजी और सही इकोसिस्टम की जरूरत है। यह प्रोजेक्ट हमारे उन सैनिकों के लिए वरदान साबित होगा जो दुश्मन को खत्म करने के लिए इन टैंकों का इस्तेमाल करते हैं।'

जबलपुर की पहचान डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और मिलिट्री संस्थानों के एक बड़े केंद्र के तौर पर बताते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि अब उस पहचान को एक नए स्तर पर ले जाने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा मकसद जबलपुर को डिफेंस टेक्नोलॉजी, मेंटेनेंस, आधुनिकीकरण और मैन्युफैक्चरिंग का एक बड़ा हब बनाना है।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का ज़िक्र करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा भारत का रक्षा क्षेत्र अब आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। 2014 में, हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन सिर्फ.46,000 करोड़ रुपये का था, यानी हम भारत में सिर्फ. 46,000 करोड़ रुपये के हथियार और उपकरण बना पाते थे। आज यह आंकड़ा बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया है।

यूपी में गंगा एक्सप्रेस-वे की गुणवत्ता पर सवाल, अखिलेश यादव ने बीजेपी को घेरा!

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के गंगा एक्सप्रेसवे पर की गई मरम्मत के बाद उस पर नई दरारें आ गई हैं। यह घटना 36,230 करोड़ की लागत वाले इस हाईवे के एक दूसरे हिस्से पर भारी बारिश के कारण 10 मीटर गहरा गड्ढा बनने के ठीक एक हफ़्ते बाद हुई है। ताजा नुकसान उन्नाव के पास एक हिस्से में देखा गया है, जहाँ पहले भी मिट्टी धंसने और कटाव की समस्या सामने आई थी। बाद में नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ठऌअक) ने पैचवर्क करके सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत की।

हालिया नुकसान पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया दी है। यादव ने एक्सप्रेसवे पर बनी दरारों का ज़िक्र करते हुए एक पोस्ट में कहा कि सावधान रहें, आपकी जान खतरे में है! उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे पर बनी अनगिनत दरारें, जो नदी की लहरों जैसी दिखती हैं, बीजेपी के भ्रष्टाचार की गवाही दे रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी का भ्रष्टाचार जानलेवा है।

रिपेयर किए गए हिस्से में दरारें आने से एक्सप्रेसवे की मजबूती, और खासकर भारी बारिश झेलने की उसकी क्षमता को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। 18 अगस्त को मेरठ-प्रयागराज कैरिजवे पर 421वें किलोमीटर के पास एक बड़ा गड्ढा बन गया। बताया जा रहा है कि भारी बारिश के कारण सड़क का एक हिस्सा और उससे लगा तटबंध बह गया। 594 किलोमीटर लंबे, छह-लेन वाले, एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 29 अप्रैल को किया था। यह मेरठ को प्रयागराज से जोड़ता है और उत्तर प्रदेश के 12 ज़िलों से होकर गुजरता है।

कांटे की टक्कर में योगी को पछाड़ रहे अखिलेशः यूपी के सर्वे ने चौंकाया

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। अगले साल की शुरूआत में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले आरक्षण और जाति की राजनीति को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है। हाल ही में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की आरक्षण-विरोधी युवाओं से बातचीत और सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा राहुल गांधी की मनुस्मृति पर की गई टिप्पणी पर सवाल उठाने के बाद, यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या भारतीय जनता पार्टी अपने मुख्य वोटरों का समर्थन खोने को लेकर चिंतित है। विपक्षी पार्टियों का कहना है कि चुनावों से पहले जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिशें तेज हो गई हैं। समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस ने BJP से आरक्षण और सामाजिक न्याय पर अपना रुख साफ करने को कहा है।

साल 2027 में उत्तर प्रदेश की सत्ता किसके हाथ होगी, इसका मिजाज

जनता ने साफ करना शुरू कर दिया है। 'वोट वाइब' के ताजा 'स्टेट वाइब सर्वे' में सामने आया है कि यूपी की जनता इस बार सूबे की कमान किस नेता को सौंपना चाहती है। सर्वे के आंकड़ों पर नजर डालें तो मुकाबला बेहद दिलचस्प और कांटे की टक्कर का दिख रहा है। 41.1 फीसदी जनता का मानना है कि बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन बाजी मारेगा, जबकि 41.2 फीसदी लोगों का भरोसा अखिलेश यादव की अगुवाई वाले 'इंडिया' गठबंधन पर है। रिजर्वेशन सिस्टम के खिलाफ चल रहे अभियान के बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राहुल गांधी को पहले देश की परंपराओं और विरासत को समझना चाहिए; उन्होंने यह बात मनुस्मृति से जुड़े विवाद के संदर्भ में कही। वहीं, समाजवादी पार्टी, बीएसपी और कांग्रेस रिजर्वेशन के मुद्दे पर बीजेपी से स्पष्टीकरण की मांग कर रहे हैं। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, 2024 के लोकसभा चुनावों में संविधान और रिजर्वेशन अहम मुद्दे थे। उत्तर प्रदेश में बीजेपी का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा, जबकि समाजवादी पार्टी ने 37 और कांग्रेस ने छह सीटें जीतीं। विपक्षी गठबंधन ने दावा किया कि उसने दलित, पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यक वोटरों के बीच अपना समर्थन मजबूत किया है। इससे बीजेपी के लिए जातियों के बीच नाजुक संतुलन बनाए रखने की चुनौती बढ़ गई है। पार्टी जहाँ एक ओर अपने पारंपरिक सवर्ण वोटरों को बनाए रखना चाहती है, वहीं पिछड़े और अति-पिछड़े वर्गों के बीच अपना राजनीतिक प्रभाव बनाए रखना भी उसके लिए जरूरी है। मायावती के नेतृत्व वाली BSP भी दलितों और हाशिए पर मौजूद समुदायों से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करके अपना राजनीतिक आधार मजबूत करने की कोशिश कर रही है। BSP ने हाल ही में घोषणा की है कि वह उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में अकेले चुनाव लड़ेगी। नतीजतन, दलित मतदाताओं के बीच उसकी स्थिति BJP और समाजवादी पार्टी, दोनों के लिए अहम मानी जाती है।

'आरक्षण हटाओ आंदोलन' के प्रतिनिधियों से मिले जेपी नड्डा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर जातिगत आरक्षण के खिलाफ हुए बड़े प्रदर्शन के बाद, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को 'आरक्षण हटाओ आंदोलन' के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। यह संगठन देश में जाति आधारित आरक्षण को खत्म करने और इसमें पूर्ण बदलाव की मांग को लेकर बीते कुछ दिनों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहा है। इस मुलाकात के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों हर्ष दुबे, मृत्युंजय पाठक और रण बहादुर सिंह चौहान से सौहार्द पूर्ण वार्ता हुई। उन्होंने यह भी कहा कि इस सिलसिले में जल्द ही एक और बैठक की जाएगी। हालांकि, नड्डा ने इस बैठक के अंदरूनी ब्योरे को साझा नहीं किया है। दूसरी ओर आरक्षण हटाओं आंदोलन के प्रमुख चेहरों में शामिल हर्ष दुबे ने इस मुलाकात को बातचीत की दिशा में एक अहम कदम बताया

है। उन्होंने कहा कि आज समाज के कल्याण के लिए एक सकारात्मक पहल हुई है। हमारी टीम ने माननीय जेपी नड्डा जी से मुलाकात की, जिसमें 21 अगस्त को हुए प्रदर्शन पर संक्षिप्त चर्चा हुई। हम जल्द ही नड्डा जी से दोबारा मिलेंगे और समाज के हित में सकारात्मक और न्यायसंगत दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे। हर्ष दुबे ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी भी वर्ग के खिलाफ जाना नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय हित में समान अवसरों, एक न्यायसंगत व्यवस्था और जरूरी सुधारों के लिए लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना है। इस संबंध में आगे के फैसले जल्द ही आधिकारिक रूप से साझा किए जाएंगे।

आईआईटी दिल्ली में छात्र की मौत के बाद हड़कंप

रिटायर्ड जज और एम्स एक्सपर्ट करेंगे जांच, पुलिस ने दर्ज किया उकसावे का केस

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। IIT दिल्ली में 22 अगस्त को हुए दुखद हादसे के बाद संस्थान ने जांच प्रक्रिया तेज कर दी है। टू फिजिक्स के 31 वर्षीय छात्र द्वारा कैंपस की इमारत से कूदकर आत्महत्या किए जाने के मामले की गहन जांच के लिए एक उच्च-स्तरीय कमेटी का गठन किया गया है, जिसे 2 हफ्ते के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जांच कमेटी की अध्यक्षता दिल्ली HC की पूर्व जज जस्टिस मुक्ता गुप्ता करेंगी। इसमें AIIMS नई दिल्ली के साइकियाट्री डिपार्टमेंट के हेड प्रताप शरण, चार छात्र प्रतिनिधि और सेक्रेटरी व कन्वेनर के तौर पर रजिस्ट्रार शामिल होंगे। कमेटी से दो हफ़्ते के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। संस्थान यह सुनिश्चित करेगा कि कमेटी को मामले की पूरी तरह से जांच करने और छात्र सहायता प्रणालियों को मजबूत करने के लिए जरूरी उपाय सुझाने का अधिकार मिले। संस्थान ने टू छात्र की

दुखद मौत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि वह फैकल्टी, छात्रों और स्टाफ के योगदान से उसके परिवार को आर्थिक मदद दे रहा है। छात्र जुलाई 2025 में टू प्रोग्राम में शामिल हुआ था। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने IIT दिल्ली के टू फिजिक्स के 31 वर्षीय छात्र की मौत के मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया था। पुलिस के अनुसार, छात्र सुबह करीब 8:00 बजे IIT दिल्ली के मुख्य गेट से कैंपस में दाखिल हुआ था। इसके बाद वह लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स गया और लिफ्ट से छठी मंजिल पर पहुंचा, जहां से उसने इमारत के सामने की तरफ छलांग लगा दी। सोमवार को IIT-दिल्ली में क्लासें सस्पेंड कर दी गईं क्योंकि छात्र मौत से जुड़ी 'प्रशासनिक खामियों' की स्वतंत्र जांच और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही की मांग कर रहे थे। PTI की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने छात्रों की परेशानी से जुड़े बड़े मुद्दों की जांच की भी मांग की, जिसमें एकेडमिक प्रोजेक्ट न मिलना, आवास से जुड़ी दिक्कतें और अपर्याप्त सहायता प्रणालियां शामिल हैं, साथ ही संस्थान के मानसिक-स्वास्थ्य प्रोटोकॉल के बारे में अधिक पारदर्शिता की मांग भी की। घटनास्थल पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। मृतक की जेब से एक मोबाइल फोन मिला है, जिसकी जांच प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी।

अब मुंबई के टैक्सी-ऑटो चालकों को मराठी सीखने के लिए पूरे 365 दिन, फड़णवीस का फैसला

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को घोषणा की कि राज्य सरकार के भाषा संबंधी आदेश को लेकर हो रहे विरोध और राजनीतिक विवाद के बीच, ऑटो-रिक्शा और कैब ड्राइवरों को मराठी सीखने के लिए एक साल का समय दिया जाएगा। फडणवीस ने कहा कि अगले एक साल तक ड्राइवरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी, ताकि उन्हें मराठी का कामकाजी ज्ञान हासिल करने के लिए समय मिल सके।

फडणवीस ने कहा कि मैंने कैब और ऑटो ड्राइवरों से मुलाकात की। वे सभी इस बात से सहमत हैं कि हर किसी को मराठी आनी चाहिए, लेकिन उन्होंने कहा कि इस पेशे में अलग-अलग उम्र के लोग हैं और उनके लिए जल्दी मराठी सीखना मुश्किल है। उन्होंने एक योजना तैयार की है और इसके लिए एक साल का समय मांगा है। राज्य सरकार ने यह मांग मान ली है। इस साल कोई कार्रवाई नहीं होगी।

यह घोषणा महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक के उस बयान

के कुछ दिनों बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि जो ड्राइवर मराठी का कामकाजी ज्ञान दिखाने में विफल रहेंगे, उनके ऑथराइजेशन बैज सस्पेंड किए जा सकते हैं। मराठी भाषा की जांच के बीच मुंबई के ऑटो ड्राइवर बिहार और यूपी लौट रहे हैं; पुणे के ड्राइवर RTO के जाल से बचने के लिए यात्रियों की 'जांच' कर रहे हैं। सरनाईक ने कहा था कि अगर ड्राइवर को मराठी की कामकाजी जानकारी नहीं है, तो उसका ड्राइवर बैज शुरू में एक महीने के लिए सस्पेंड कर दिया जाएगा। इस महीने की शुरूआत में बदले गए नियमों के अनुसार, अगर ड्राइवर उस समय के दौरान भाषा नहीं सीख पाता है, तो बैज रद्द करने से पहले उसे तीन महीने का और समय दिया जाएगा।

नेपाल में भीषण तबाही क्यों मची, कैसे आ गई अचानक बाढ़? इसरो ने सैटेलाइट तस्वीरों से खोला राज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

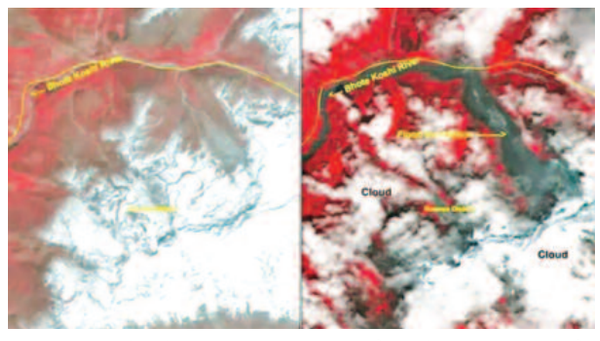

नई दिल्ली। नई दिल्ली। नेपाल के रसुवा इलाके में आई भयानक अचानक बाढ़ ने पूरे दक्षिण एशिया के वैज्ञानिकों का ध्यान खींचा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की एक अहम शाखा भारत के नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर ने इस आपदा का शुरूआती सैटेलाइट-आधारित आकलन किया है। भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सैटेलाइट तस्वीरों का इस्तेमाल करके एनआरएससी के वैज्ञानिकों ने तबाही के दायरे का पता लगाया है और उन घटनाओं के क्रम को समझने में मदद की है, जिनकी वजह से हाल के वर्षों में इस इलाके में पहाड़ों से जुड़ी सबसे बुरी आपदाओं में से एक हुई। आज भारत के 56 सैटेलाइट ऑर्बिट में हैं।

एनआरएससी ने क्या आकलन किया?

एनआरएससी के आकलन के अनुसार, यह आपदा तिब्बत के ऊंचे पहाड़ों में शुरू हुई लगती है। शुरूआती अनुमान बताते हैं कि 4.9 तीव्रता के भूकंप के कारण सर्क ग्लेशियर (cirque

glacier) नाम के ग्लेशियर का एक हिस्सा ढह गया होगा। ये ढहने से बर्फ और चट्टानों का एक विशाल हिमस्खलन हुआ, जो पहाड़ की खड़ी घाटी में तेजी से नीचे की ओर बढ़ा। माना जाता है कि इस हिमस्खलन ने कुछ समय के लिए नदी के बहाव को रोक दिया था। बाद में जब यह रुकावट टूटी तो पानी, कीचड़, चट्टानों और मलबे का एक विशाल सैलाब नीचे की ओर बह निकला। इसके परिणामस्वरूप आई अचानक बाढ़ त्रिशूली नदी प्रणाली में तेजी से फैली, जिससे तेजी से जलभराव हुआ और बड़े पैमाने पर तबाही मची। सैटेलाइट तस्वीरों का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों की रिपोर्टों में इस आपदा का संभावित कारण सर्क ग्लेशियर का ढहना और उसके बाद हुआ बर्फ और चट्टानों का हिमस्खलन बताया गया है।

भूकंप भी आया

भारत के भूकंप निगरानी नेटवर्क ने सुबह 8:22 बजे 10 किलोमीटर की गहराई पर 4.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने 28.076 अक्षांश और 86.494 देशांतर पर भूकंप दर्ज किया, जो रसुवा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। हिमालयी क्षेत्र भूकंप के प्रति बहुत संवेदनशील है। इस घटना के दायरे और असर को समझने के लिए हैदराबाद में एनआरएससी ने तेजी से जियोस्पेशियल असेसमेंट (भौगोलिक-स्थान संबंधी आकलन) किया।

संपादक की कलम से

डोभाल की कूटनीति और भारत-चीन संबंधों की नई करवट

ललित शर्मा
संपादक

भारत और चीन के संबंधों में पिछले कुछ वर्षों की तल्खी के बाद अब संवाद, संयम और व्यावहारिक सहयोग का एक नया दौर दिखाई दे रहा है। इसे किसी अचानक आए परिवर्तन के रूप में नहीं, बल्कि सुरक्षा, कूटनीति और राष्ट्रीय हितों को साथ लेकर चलने वाली एक दीर्घकालिक प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। इस बदलते परिदृश्य में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनकर सामने आई है। 25 अगस्त को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता ने इस प्रक्रिया को ठोस आधार दिया है। दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति बनाए रखने, सीमा निर्धारण की दिशा में शीघ्र एवं सार्थक प्रगति करने तथा सैन्य-द्विपक्षीय संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने पर सहमति बनाई है। डोभाल की बीजिंग यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह केवल सीमा विवाद पर बातचीत नहीं थी। यह उस व्यापक प्रश्न पर विमर्श था कि क्या भारत और चीन प्रतिस्पर्धा के बावजूद सह-अस्तित्व, स्थिरता और पारस्परिक हितों का रास्ता तलाश सकते हैं। दोनों देशों ने दो अतिरिक्त सैन्य संपर्क-बिंदु और पूर्वी तथा मध्य क्षेत्रों में दो अतिरिक्त सैन्य दूरभाष संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है। सीमा व्यापार, कैलाश-मानसरोवर यात्रा और सीमा-पार सहयोग को भी आगे बढ़ाने का निर्णय हुआ है। अजीत डोभाल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे सुरक्षा और कूटनीति को परस्पर विरोधी नहीं मानते। उनका दृष्टिकोण स्पष्ट है-मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था ही प्रभावी कूटनीति की आधारभूमि बन सकती है। चीन के संदर्भ में भी भारत का संदेश यही रहा है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के बिना द्विपक्षीय संबंधों का पूर्ण सामान्यीकरण संभव नहीं है। 25वें दौर की वार्ता में यही भारतीय दृष्टिकोण प्रमुखता से सामने आया। डोभाल का व्यक्तित्व केवल वातार्कार का नहीं, बल्कि सुरक्षा रणनीतिकार का है। वे लंबे समय तक खुफिया तंत्र में रहे, विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में काम किया और बाद में खुफिया ब्यूरो के प्रमुख बने। भारत सरकार के अनुसार, उन्होंने पूर्वोत्तर, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और पाकिस्तान से जुड़े सुरक्षा मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। उनकी कार्यशैली में एक उल्लेखनीय संतुलन दिखाई देता है-जहां आवश्यक हो वहां कठोरता और जहां अवसर हो वहां संवाद। उड़ी के बाद की सर्जिकल कार्रवाई, बालाकोट की कार्रवाई, डोकलाम संकट के दौरान कूटनीतिक प्रयास और आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनकी भूमिका इसी व्यापक दृष्टिकोण के उदाहरण माने जाते हैं। 2026 में उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनके योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया। भारत-चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई। उसी वर्ष कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति तथा मतभेदों को संबंधों की समग्र दिशा को प्रभावित न करने देने पर जोर दिया था। यही वह बिंदु था जहां डोभाल की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई। दिसंबर 2024 में विशेष प्रतिनिधि स्तर की बातचीत से शुरू हुई प्रक्रिया अब 25वें दौर तक पहुंची है। इस बार आठ बिंदुओं पर बनी सहमति संकेत देती है कि बातचीत केवल औपचारिकता नहीं रह गई है।

वृद्धा को मुफ्त बस यात्रा; मगर मंज़िल का सहारा कौन?

एनके शर्मा
लेखक

उत्तर प्रदेश सरकार ने 60 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए राज्य परिवहन निगम की बसों में आजीवन निःशुल्क यात्रा की योजना शुरू की है। सरकार इसे वरिष्ठ महिलाओं की आर्थिक राहत, स्वतंत्रता और आवागमन की सुविधा से जोड़कर देख रही है।

निस्संदेह, किसी जरूरतमंद नागरिक के लिए यात्रा का खर्च बचना राहत की बात है। लेकिन किसी भी सरकारी योजना की असली सफलता इस बात से तय होनी चाहिए कि वह आकर्षक कागज पर नहीं, बल्कि जमीन पर उसके लाभार्थी के जीवन में कितना वास्तविक परिवर्तन लाती है। यहीं से इस योजना को लेकर कुछ असहज और असुविधाजनक सवाल जन्म लेते हैं। 60 वर्ष की आयु आज पहले जैसी वृद्धावस्था नहीं रही। अनेक महिलाएं इस उम्र में सक्रिय, स्वस्थ और आत्मनिर्भर हैं। वे यात्रा करती हैं, अपने परिवारों से मिलने जाती हैं, धार्मिक स्थलों तक जाती हैं, बाजारों और अस्पतालों तक पहुंचती हैं। इसलिए यह मान लेना भी उचित नहीं होगा कि 60 वर्ष पार करने वाली हर महिला इतनी अशक्त है कि घर से निकल ही नहीं सकती। लेकिन दूसरी ओर, ग्रामीण भारत और छोटे कस्बों की बड़ी संख्या में ऐसी महिलाएं भी हैं जिनके लिए उम्र के साथ शरीर की ताकत, दृष्टि, सुनने की क्षमता और चलने-फिरने की स्वतंत्रता कम हो चुकी है। ऐसे में सवाल यह नहीं है कि मुफ्त बस यात्रा बुरी है या अच्छी। असली सवाल है-क्या यह उस समस्या का समाधान है, जिससे वृद्ध महिला वास्तव में जूझ रही है? सरकार कहती है कि इससे वरिष्ठ महिलाओं की गतिशीलता और स्वतंत्रता बढ़ेगी। ठीक है। मगर वह स्वतंत्रता आखिर किस दिशा में जाएगी? एक वृद्ध महिला सुबह घर से निकलेगी। हाथ में छड़ी है, आंखों पर कमजोर नजर का चश्मा है, घुटनों में दर्द है और बस स्टैंड शायद घर से एक-दो किलोमीटर दूर है। वह किसी तरह वहां पहुंचती है। बस आती है। भीड़ है। चढ़ने के लिए सीढ़ी है। बैठने की गारंटी नहीं। फिर बस उसे उसके गंतव्य तक छोड़ देगी। लेकिन क्या बस उसे अस्पताल के डॉक्टर के कमरे तक ले जाएगी? क्या वह मेडिकल स्टोर तक उसकी दवा दिलवाने पहुंचाएगी? क्या बैंक में पेंशन की लाइन से उसे मुक्त करेगी? क्या कोई उसके साथ कागजात भरवाएगा? क्या मंदिर की सीढ़ियां उसके लिए आसान बनाएगी? यही वह बिंदु है जहां मुफ्त यात्रा का चमकदार राजनीतिक उपहार और वृद्धावस्था की वास्तविक पीड़ा आमने-सामने खड़ी दिखाई देती है। मान लीजिए किसी 70 वर्षीय महिला को आंखों की जांच कराने शहर जाना है। बस का किराया बच गया। बहुत अच्छी बात है। लेकिन घर से बस स्टैंड तक जाने का साधन? बस स्टैंड से अस्पताल तक पहुंचने का खर्च? अस्पताल में पंजीकरण, जांच, दवा, रिपोर्ट और वापसी की व्यवस्था? यदि वह अकेली है तो इन सब कामों के लिए कौन होगा? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने वृद्ध महिला को बस का टिकट तो मुफ्त कर दिया, मगर उसके जीवन की बाकी तमाम बाधाओं को उसी कीमत पर छोड़ दिया? सरकार को यह भी देखना चाहिए कि वृद्धावस्था केवल आर्थिक समस्या नहीं होती। यह गतिशीलता, सुरक्षा, स्वास्थ्य, अकेलेपन और सहारे की समस्या भी है। जिस महिला के पति का निधन हो चुका है, बच्चे दूर शहरों में रहते हैं, गांव में कोई नियमित सहारा नहीं है-उसके लिए मुफ्त बस यात्रा से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि उसके गांव के पास स्वास्थ्य केंद्र हो, दवाएं उपलब्ध हों, बैंकिंग सुविधा घर के नजदीक हो और आवश्यकता पड़ने पर कोई सुरक्षित परिवहन उपलब्ध हो। वरना यह कुछ वैसा ही है जैसे किसी प्यासे व्यक्ति को सोने का गिलास देकर कहा जाए-लो, अब पानी मुफ्त में पी सकते हो; लेकिन पानी कहां से लाना है, यह तुम्हारी समस्या है। विडंबना यह भी है कि वृद्ध महिलाओं की वास्तविक आवश्यकताओं को समझने के लिए बहुत बड़े सर्वेक्षण की जरूरत नहीं है। किसी गांव की चौपाल पर बैठकर दस बुजुर्ग महिलाओं से पूछ लिया जाए कि उन्हें सबसे ज्यादा परेशानी किस बात की है। जवाब शायद मुफ्त बस यात्रा से आगे निकल जाएगा-दवा महंगी है, आंखों का इलाज नहीं हो पा रहा, पेंशन के लिए बैंक जाना पड़ता है, सरकारी कार्यालय में सुनवाई नहीं होती, अकेले अस्पताल जाने में डर लगता है, बेटा दूसरे शहर में रहता है, बहू के पास समय नहीं है, पैदल चलना मुश्किल है। फिर सवाल उठता है-क्या हमें मुफ्त यात्रा चाहिए या सम्मानजनक जीवन की यात्रा? लोककल्याणकारी सरकार का दायित्व केवल ऐसी योजनाएं घोषित करना नहीं है जिन्हें देखकर अखबार की सुर्खियां बनें। उसका वास्तविक दायित्व उन परिस्थितियों को बदलना है जिनके कारण वृद्ध व्यक्ति आज भी असहाय महसूस करता है। यदि सरकार वास्तव में 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना चाहती है तो मुफ्त बस यात्रा के साथ-साथ गांव-गांव वृद्ध स्वास्थ्य शिविर क्यों नहीं? घर के नजदीक नियमित नेत्र परीक्षण क्यों नहीं? आवश्यक दवाओं की होम डिलीवरी क्यों नहीं? बैंकिंग प्रतिनिधि की गांव में नियमित व्यवस्था क्यों नहीं? वृद्ध महिलाओं के लिए हेल्पलाइन और सुरक्षित सहायक परिवहन क्यों नहीं? अस्पतालों में वरिष्ठ महिलाओं के लिए अलग सहायता डेस्क क्यों नहीं? और सबसे महत्वपूर्ण-क्या बस यात्रा वास्तव में सुरक्षित और सुविधाजनक भी है? मुफ्त टिकट से बस की भीड़ कम नहीं होगी। टूटी सड़कें ठीक नहीं होंगी। बस स्टॉप पर छाया नहीं आएगी। बारिश में पानी नहीं रुकेगा। बस में सीट अपने आप आरक्षित नहीं होगी। वृद्ध महिला के हाथ में सामान हो तो उसे उठाने वाला कोई व्यक्ति स्वतः पैदा नहीं हो जाएगा। इसलिए योजना का विरोध करना उद्देश्य नहीं होना चाहिए; योजना की आत्मा को पहचानना उद्देश्य होना चाहिए। यदि कोई 60 वर्षीय महिला अपने मायके, बेटी, बेटे, धार्मिक स्थल, बाजार या अस्पताल जाना चाहती है और मुफ्त यात्रा उसे यह स्वतंत्रता देती है, तो यह निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। लेकिन यदि सरकार इसे वृद्ध महिलाओं की सारी समस्याओं का समाधान बताने लगे तो यह आत्मप्रशंसा होगी, लोककल्याण नहीं। कल्याणकारी राजनीति और मन बहलाने वाली राजनीति के बीच अंतर बहुत महीन होता है। पहली नागरिक की वास्तविक आवश्यकता को समझती है; दूसरी नागरिक को सुविधा का ऐसा छोटा-सा टुकड़ा देती है जिसे दिखाकर बड़ी तस्वीर छिपाई जा सके। आज जरूरत इस बात की है कि वृद्ध महिला को केवल बस में बैठने का अधिकार न दिया जाए, बल्कि उसे अपने गंतव्य तक सम्मानपूर्वक पहुंचने का अधिकार मिले। उसे मुफ्त टिकट के साथ सुरक्षित यात्रा चाहिए। अस्पताल तक पहुंच चाहिए। डॉक्टर तक पहुंच चाहिए। दवा चाहिए। बैंकिंग सुविधा चाहिए। पेंशन समय पर चाहिए। आंखों की रोशनी बचाने का इंतजाम चाहिए। और सबसे बढ़कर-उसे यह विश्वास चाहिए कि वृद्ध होने के बाद वह परिवार, समाज और सरकार-तीनों के लिए बोझ नहीं है। क्योंकि किसी वृद्ध महिला की सबसे बड़ी समस्या यह नहीं कि बस का किराया दस, पचास या सौ रुपये है। उसकी सबसे बड़ी समस्या यह है कि जब उसे कहीं जाना हो तो उसके साथ जाने वाला कौन है? इसलिए मुफ्त बस यात्रा का स्वागत करते हुए भी सरकार से यह पूछना जरूरी है-क्या आपने उस वृद्ध महिला की पूरी यात्रा देखी है? घर के दरवाजे से बस स्टैंड तक, बस स्टैंड से अस्पताल तक, अस्पताल से दवा की दुकान तक और फिर सुरक्षित घर तक? अगर जवाब केवल 'टिकट मुफ्त है' है, तो यह सुविधा है-समाधान नहीं। वृद्ध महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा दीजिए, अवश्य दीजिए। लेकिन उसके साथ उन्हें मुफ्त स्वास्थ्य सेवा, सुलभ दवा, आसान पेंशन व्यवस्था, सुरक्षित परिवहन और मानवीय सहारा भी दीजिए। वरना इतिहास इस योजना को जनकल्याण की दूरदर्शी पहल के बजाय चुनावी मौसम में बांटे गए एक और आकर्षक तोहफे के रूप में याद कर सकता है। क्योंकि वृद्धावस्था में सबसे बड़ा सवाल यह नहीं होता कि 'बस का किराया कौन देगा?'

सबसे बड़ा सवाल होता है- 'जब मैं बस में बैठकर निकलूंगी, तो मेरी मंजिल तक पहुंचने में मेरा हाथ कौन पकड़ेगा?' और शायद इसी सवाल का उत्तर किसी भी मुफ्त यात्रा योजना की वास्तविक सफलता का सबसे ईमानदार पैमाना होना चाहिए।

पहाड़ की एक चीख और हमारी पूरी तरक्की कटघरे में

प्रो. आरके जैन
लेखक

कभी-कभी पहाड़ नहीं टूटता, हमारे गढ़े हुए भ्रम टूटते हैं। नेपाल-तिब्बत सीमा पर करीब 17 हजार फुट की ऊंचाई पर ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा टूटकर लगभग एक किलोमीटर नीचे गिरा और बर्फ, चट्टान व मलबे की प्रचंड धारा बाढ़ में बदल गई। नदियां उफनीं, गांव बह गए और सैकड़ों लोग लापता हो गए। उपग्रह तस्वीरों ने बर्फ में आया वह बदलाव पकड़ लिया, जिसे हमारी आंखें और व्यवस्था समय रहते नहीं पढ़ सकीं। इसलिए यह महज प्राकृतिक आपदा नहीं, उस हिमालय की चेतावनी है, जिसे हमने सदियों तक अडिग माना, जबकि वह भीतर ही भीतर बदल रहा था। बर्फ टूटने की गूंज दरअसल उस भ्रम के चकनाचूर होने की गूंज है कि हिमालय हमारी गलतियां हमेशा ढोता रहेगा।

अब इस आपदा का सबसे भारी सच उन नामों में है, जिनके आगे सिर्फ एक शब्द है-'लापता'। इनमें कैलाश-मानसरोवर यात्रा पर निकले बड़ी संख्या में भारतीय तीर्थयात्री हैं, जिनके परिवार अब आस्था नहीं, इंतजार में हैं। ब्रिटिश (लगभग एक दर्जन) और अमेरिकी पर्यटक भी हैं, जो रोमांच खोजने आए और प्रकृति में खो गए। हर नाम पीछे एक परिवार, उम्मीद और अधूरी जिंदगी छोड़ गया। ऊंचाई और मौसम ने राहत रोक दी; हेलीकॉप्टर उतर नहीं सके, बचाव दल पहुंच नहीं पाए। यहीं तकनीक की ताकत बौनी पड़ जाती है। डिजिटल नक्शे और महंगे उपकरण उस भूगोल में बेबस हैं, जहां कुछ मिनटों में नदी रास्ता और इंसान अपना पता खो देता है।

पहाड़ का कोई हादसा अचानक नहीं होता; दरकने से पहले वह कई बार चेताता है। बढ़ता तापमान हिमालयी बर्फ और ग्लेशियरों की अस्थिरता बढ़ा रहा है, लेकिन इस टूटने का तत्काल कारण अभी स्पष्ट नहीं है। जुलाई 2025 में भी ल्हेंदे-भोटेकोशी क्षेत्र में ग्लेशियल झील के फटने से बाढ़ आई थी। मगर दोष केवल जलवायु परिवर्तन का नहीं। हमने नाजुक हिमालयी घाटियों में सड़कें काटीं, जलविद्युत परियोजनाएं खड़ी कीं और पर्यटन के नाम पर भीड़ बढ़ाई। भोटेकोशी नदी पहले भी बता चुकी है कि पहाड़ की अपनी सीमाएं हैं। हमने इन संकेतों को विकास की रफ्तार में दबा दिया। समस्या सिर्फ गर्म होती बर्फ नहीं, वह अहंकार भी है जिसने मान लिया कि पहाड़ हमारी सुविधा के मुताबिक ढल जाएगा।

जिस हिमालय के आगे कभी सिर झुकता था, उसके सामने अब हम कैमरा और सुविधा लेकर खड़े हैं। पुराने यात्रियों के साधन सीमित थे, पर पहाड़ के प्रति अनुशासन था। वे मौसम पढ़ते, स्थानीय चेतावनी मानते और पर्वत को खुद से बड़ा समझते थे। आज तीर्थ और रोमांच की रेखा मिट गई है। लक्जरी टेंट, तेज सफर और सोशल मीडिया ने यात्रा को अनुभव से ज्यादा प्रदर्शन बना दिया। प्रकृति मनोरंजन और पहाड़ सुविधा की जगह बन गया। विडंबना यह है कि हिमालय जब अपना असली रूप दिखाता है, तो महंगी यात्रा, बीमा और आधुनिक उपकरण भी जीवन की गारंटी नहीं देते। हिमालय को पर्यटन चाहिए, भीड़ और बाजार की अंधी भूख नहीं।

पानी को सरहदें नहीं रोकतीं; फिर हिमालय की आपदा को सीमाओं में कैसे बांधा जा सकता है? तिब्बत में ग्लेशियर टूटता है, नेपाल में बाढ़ आती है और असर भारत की नदी प्रणालियों तक पहुंच सकता है। इस बाढ़ का असर नेपाल से बहने वाली नदी प्रणालियों के जरिए भारत के बिहार और उत्तर प्रदेश तक पहुंच सकता है, जहां सतर्कता जारी है। नक्शे इंसानों ने बनाए हैं; पानी और बर्फ उन्हें नहीं मानते। इसलिए हिमालय को देशों के टुकड़ों में देखना खतरनाक है। साझा उपग्रह निगरानी, ग्लेशियरों की जांच, शुरूआती चेतावनी, आपदा आंकड़ों का आदान-प्रदान और संवेदनशील क्षेत्रों में पर्यटन की सीमा जरूरी है। पीढ़ियों से पहाड़ के साथ जी रहे स्थानीय लोगों का ज्ञान भी इसका हिस्सा होना चाहिए। विज्ञान जरूरी है, पर स्थानीय अनुभव को उसका विरोधी मानना बड़ी भूल होगी। विकास जरूरी है, मगर सवाल यह है कि उसकी कीमत कौन चुकाएगा? बिजली के लिए जलविद्युत, रोजगार और विदेशी मुद्रा के लिए पर्यटन, संपर्क के लिए सड़कें और सुरंगें चाहिए। विरोध विकास का नहीं, उसके अंधेपन का है। जब एक नाजुक घाटी में इतने निर्माण हो जाएं कि एक प्राकृतिक घटना पूरी व्यवस्था को ढहा दे, तो वह विकास नहीं, जोखिम का विस्तार है। हिमालय के बुजुर्ग जानते हैं कि कब नदी बदलती है, किस ढलान पर खतरा है और कौन-सा संकेत टालना नहीं चाहिए। आधुनिक योजनाओं ने इस ज्ञान को अक्सर पिछड़ा मान लिया।

अब विकास को स्थानीय अनुभव और वैज्ञानिक आकलन-दोनों के आगे झुकना होगा। बाढ़ उतर जाएगी, पर उसके पीछे छोड़ा सवाल नहीं उतरेगा। हिमालय की बर्फ सिर्फ पहाड़ पर जमी बर्फ नहीं, एशिया की विशाल नदियों का प्राकृतिक जल-भंडार है। ग्लेशियरों की अस्थिरता एक ओर अचानक बाढ़, दूसरी ओर भविष्य में पानी की कमी का खतरा बढ़ा सकती है। इसलिए आज की 'लापता' सूची को सिर्फ प्रशासनिक आंकड़ा समझना भूल होगी; इसमें आने वाले वर्षों की जलवायु चेतावनी छिपी है। तापमान बढ़ता रहा, निर्माण बेलगाम रहा और पर्यटन वैज्ञानिक सीमा से बाहर गया, तो ऐसी घटनाएं अपवाद नहीं रहेंगी। तब हर आपदा के बाद हम कहेंगे-'किसी ने सोचा नहीं था।' जबकि हिमालय शायद बहुत पहले से कह रहा होगा-सोचो। हिमालय से लेने की हमारी भूख का अंत कहां होगा-यही अब सबसे बड़ा सवाल है। इस बार बर्फ ने सिर्फ नदी नहीं बढ़ाई, हमारी विकास-दृष्टि की दरार भी खोल दी। अब तीर्थ में संयम, पर्यटन में सीमा, निर्माण में वैज्ञानिक अनुशासन और विकास में पर्यावरणीय विवेक जरूरी है। हिमालयी समुदायों को फैसलों में केंद्र देना होगा और वैज्ञानिक चेतावनियों को फाइलों से निकालकर नीति बनाना होगा। हिमालय को जीतने नहीं, उसके साथ जीने की भाषा सीखनी होगी। बर्फ की चुप्पी टूट चुकी है। अगली बार पहाड़ कब बोलेगा, कोई नहीं जानता। तय सिर्फ इतना है-अगली चेतावनी से पहले हम सुनना सीखेंगे या फिर किसी नई 'लापता सूची' में अपने अहंकार का नाम खोजेंगे।

आओ इस रक्षाबंधन प्रण ये करें

किशन भावनानीं

कविता

आओ इस रक्षाबंधन प्रण ये करें,
हर नारी के सम्मान की ढाल बनें।
राखी की डोर भले कलाई पर न हो,
पर हर लड़की की रक्षा में मिसाल बनें।

राखी केवल धागा नहीं, विश्वास है,
हर नारी के सम्मान का एहसास है।
जो कमजोर समझकर उसे सताए,
उसके विरुद्ध खड़ा होना ही प्रयास है।

चाहे कोई राखी बाँधे या न बाँधे,
रक्षा का संकल्प दिल में रखना।
हर लड़की की राह सुरक्षित हो,
बस इतना अपना धर्म समझना।

नारी में माँ, बहन, बेटी का रूप है,
उसके सम्मान में जीवन का स्वरूप है।
जो उसकी मर्यादा की रक्षा करता,
वही सच्चे अर्थों में मनुष्य अनूप है।

चाहे कलाई पर राखी हो या न हो,
बहन का प्यार कभी कम नहीं होता।
किशन हर बेटी की इज्जत अपनी समझो,
इससे बढ़कर कोई धर्म नहीं होता।

पहली नौकरी से आगे: महिलाओं के लिए टिकाऊ करियर का निर्माण

डॉ विजय गर्ग
लेखक

महिलाओं को कार्यबल में शामिल करना समानता, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन नौकरी मिल जाना केवल शुरूआत है। इससे बड़ी चुनौती यह है कि महिलाएँ कार्यक्षेत्र में बनी रहें, अपने करियर में आगे बढ़ें और एक स्थिर तथा सम्मानजनक पेशेवर जीवन का निर्माण कर सकें। आज अनेक समाजों में महिलाएँ शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं, लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारियों, असुरक्षित कार्यस्थलों, बच्चों की देखभाल की सीमित सुविधाओं, असमान अवसरों और सामाजिक अपेक्षाओं के कारण उनके करियर में रुकावटें आ सकती हैं। इसलिए वास्तविक सशक्तिकरण को केवल इस बात से नहीं मापा जा सकता कि कितनी महिलाओं को पहली नौकरी मिली। यह भी देखना जरूरी है कि कितनी महिलाएँ कार्यक्षेत्र में बनी रहती हैं, आगे बढ़ती हैं और सफलता प्राप्त करती हैं। टिकाऊ करियर के रास्ते में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक घरेलू जिम्मेदारियों का असमान बंटवारा है। जब पति-पत्नी दोनों काम करते हैं, तब भी बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा, खाना बनाना और घर संभालने की बड़ी जिम्मेदारी अक्सर महिलाओं पर ही रहती है। इससे उनके पास पेशेवर विकास के लिए समय और ऊर्जा कम रह जाती है। विवाह या बच्चों के जन्म के बाद कई बार करियर में विराम लेना उनकी मजबूरी बन जाता है। लचीली कार्य व्यवस्था इस समस्या को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। लचीले कार्य घंटे, जहाँ संभव हो वहाँ हाइब्रिड कार्य, पूर्वानुमानित कार्य समय और करियर ब्रेक के बाद दोबारा काम शुरू करने के अवसर महिलाओं को पारिवारिक और पेशेवर जिम्मेदारियों में संतुलन बनाने में मदद कर सकते हैं। लचीलेपन का अर्थ कम महत्वाकांक्षा या पदोन्नति के कम अवसर नहीं होना चाहिए। इसका अर्थ ऐसी व्यवस्था बनाना है जो आधुनिक पारिवारिक जीवन की वास्तविकताओं को समझे। बच्चों की देखभाल की सुविधाएँ भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सस्ती, सुलभ और भरोसेमंद चाइल्डकेयर सेवाएँ माता-पिता के लिए कार्यक्षेत्र में बने रहना आसान बना सकती हैं। नियोक्ताओं, समुदायों और सरकारों-सभी की इसमें भूमिका है। जब बच्चों की देखभाल को केवल निजी पारिवारिक जिम्मेदारी न मानकर आर्थिक और सामाजिक बुनियादी ढाँचे का हिस्सा माना जाता है, तो महिलाओं की रोजगार में दीर्घकालिक भागीदारी अधिक मजबूत होती है। कार्यस्थल का माहौल भी बहुत मायने रखता है। किसी महिला को नौकरी तो मिल सकती है, लेकिन यदि उसे उपेक्षित, अलग-थलग या असुरक्षित महसूस हो, तो वह नौकरी छोड़ सकती है। सम्मानजनक कार्यस्थल, उत्पीड़न के विरुद्ध स्पष्ट नीतियाँ, निष्पक्ष पदोन्नति व्यवस्था और शिकायत दर्ज करने की प्रभावी प्रणाली आवश्यक हैं। महिलाओं को अनावश्यक सामाजिक या कार्यस्थलीय बाधाओं से जूझे बिना अपने काम पर ध्यान देने का अवसर मिलना चाहिए। करियर में प्रगति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। महिलाओं को केवल शुरूआती स्तर की नौकरियों में बनाए रखना और उन्हें सीखने तथा आगे बढ़ने के अवसर न देना वास्तविक सशक्तिकरण नहीं है। महिलाओं को प्रशिक्षण, मार्गदर्शन, नेतृत्व विकास और चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियों के अवसर मिलने चाहिए। कर्मचारियों का मूल्यांकन उनके लिंग या पारिवारिक जिम्मेदारियों की धारणाओं के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी योग्यता, प्रदर्शन और क्षमता के आधार पर होना चाहिए। समान कार्य के लिए समान वेतन भी टिकाऊ रोजगार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वेतन व्यवस्था में पारदर्शिता होनी चाहिए, ताकि बिना उचित कारण के वेतन असमानता को कम किया जा सके। आर्थिक स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी सामने आता है जब महिलाओं के पास कमाने, बचत करने, निवेश करने और अपने पूरे करियर के दौरान आर्थिक रूप से आगे बढ़ने के अवसर हों। करियर में आए विराम को भी नए दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। बच्चों की परवरिश, माता-पिता या बुजुर्गों की देखभाल अथवा अन्य पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण कुछ समय के लिए नौकरी से दूर रहना किसी व्यक्ति के पेशेवर भविष्य को समाप्त नहीं करना चाहिए। संस्थाएँ रिटर्नशिप कार्यक्रम, रिफ्रेशर प्रशिक्षण और पुनः रोजगार के अवसर विकसित कर सकती हैं, ताकि अनुभवी महिलाएँ दोबारा कार्यक्षेत्र से जुड़ सकें। तकनीक भी महिलाओं के करियर को मजबूत बनाने में सहायक हो सकती है। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल सहयोग और रिमोट वर्क के साधन उन महिलाओं के लिए नए अवसर पैदा कर सकते हैं जिन्हें भौगोलिक या पारिवारिक सीमाओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन यह भी आवश्यक है कि डिजिटल सुविधाएँ और कौशल व्यापक रूप से उपलब्ध हों, ताकि तकनीक स्वयं एक नई असमानता का कारण न बने। इस बदलाव में पुरुषों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। महिलाओं के करियर की निरंतरता को केवल 'महिलाओं का मुद्दा' नहीं माना जा सकता। पारिवारिक जिम्मेदारियाँ साझा होनी चाहिए। पिता और अन्य पुरुष सदस्य बच्चों की देखभाल, घरेलू कार्य और सहयोगी कार्यस्थल बनाने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। जब देखभाल की जिम्मेदारी साझा होती है, तो महिलाओं के करियर पर पारिवारिक जिम्मेदारियों का दबाव कम होता है। स्कूल और शैक्षणिक संस्थाएँ भी इस दिशा में योगदान दे सकती हैं। लड़कियों को केवल अकादमिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संवाद कौशल, डिजिटल दक्षता, वित्तीय साक्षरता और करियर संबंधी जागरूकता भी प्रदान की जानी चाहिए। युवा महिलाओं को करियर को केवल पहली तनख्वाह प्राप्त करने के साधन के रूप में नहीं, बल्कि लंबे समय की यात्रा के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

दवाओं की बबार्दी रोकने के लिए पायथन आधारित वेब उपकरण का प्रारूप विकसित: राजन कौशिक

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

बिजनौर। दवाओं की समय-सीमा समाप्त होने से होने वाली संभावित बबार्दी को कम करने और दवा भंडार प्रबंधन को व्यवस्थित बनाने की दिशा में आरवी इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी, बिजनौर के सहायक आचार्य राजन कौशिक ने पायथन एवं एसक्यूएलाइट आधारित वेब उपकरण का प्रारूप विकसित किया है। इसमें दवाओं का डिजिटल अभिलेख, समय-सीमा समाप्ति की निगरानी और एफआईएफओ आधारित भंडार प्रबंधन की व्यवस्था को शामिल किया गया है। राजन कौशिक ने बताया कि औषधालयों, दवा दुकानों और अस्पतालों में अलग-अलग बैच एवं समय-सीमा वाली दवाओं का भंडार रहता है। ऐसे में दवाओं की उपलब्ध मात्रा और समय-सीमा का व्यवस्थित अभिलेख रखना जरूरी होता है। इसी व्यावहारिक समस्या को ध्यान में रखते हुए यह वेब उपकरण तैयार किया गया है। इस उपकरण में दवाओं से संबंधित जानकारी डिजिटल रूप से दर्ज कर एसक्यूएलाइट आंकड़ा-भंडार में सुरक्षित रखी जाती है। एफआईएफओ प्रणाली के तहत पुराने भंडार को पहले इस्तेमाल करने की व्यवस्था अपनाई गई है। इससे भंडार के बेहतर उपयोग में मदद मिलने के साथ समय-सीमा समाप्त होने के कारण होने वाली संभावित बबार्दी को कम किया जा सकता है। राजन कौशिक ने कहा कि दवा केवल एक उत्पाद नहीं, बल्कि मरीज के स्वास्थ्य और परिवार के संसाधनों से जुड़ी आवश्यकता है। किसी दवा का अनावश्यक रूप से समय-सीमा समाप्त होकर उपयोग से

बाहर होना आर्थिक नुकसान के साथ उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग से जुड़ा सामाजिक विषय भी है। इसी सोच के साथ उन्होंने तकनीक को फामेर्सी की वास्तविक समस्या से जोड़ने का प्रयास किया है। उन्होंने बताया कि यह प्रणाली फिलहाल प्रारूप स्तर पर है। भविष्य में परीक्षण, उपयोगकर्ता अनुभव और आवश्यकताओं के आधार पर इसमें और सुविधाएं जोड़ी जा सकती हैं। उद्देश्य ऐसा सरल डिजिटल समाधान विकसित करना है, जो दवा भंडार प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने में उपयोगी हो।

राजन कौशिक लंबे समय से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन अधिगम और डिजिटल तकनीक के माध्यम से व्यावहारिक समस्याओं के समाधान से जुड़े परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कक्षा पांच से ही कंप्यूटर की पढ़ाई शुरू की थी और समय के साथ तकनीक के प्रति रुचि बढ़ती गई। बाद में उन्होंने तकनीकी ज्ञान को फामेर्सी एवं स्वास्थ्य क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं से जोड़ने का प्रयास किया। फामेर्सी और पायथन प्रोग्रामिंग के क्षेत्र में अपने अनुभव को विद्यार्थियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से राजन ने 'फामेर्सी विद्यार्थियों के लिए पायथन के व्यावहारिक अभ्यास' नामक पुस्तक भी लिखी है। यह पुस्तक अमेजन इंडिया के किंडल और इलेक्ट्रॉनिक पुस्तक मंच पर उपलब्ध है। वर्तमान में राजन स्तन कैंसर जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या की शुरूआती पहचान में तकनीक के उपयोग से संबंधित एक परियोजना पर भी काम कर रहे हैं। उनका प्रयास स्वास्थ्य क्षेत्र की समस्याओं के समाधान में डिजिटल तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना है। राजन ने इस पहल के लिए आरवी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रबंध निदेशक सन्नी देशवाल, फामेर्सी के निदेशक एवं उनके शिक्षक प्रोफेसर डॉ. हितेश कुमार, सभी शिक्षकों, माता-पिता और परिवारजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि

जाट समाज पर कथित टिप्पणी से भड़की महासभा

जिला अध्यक्ष भूरे सिंह के नेतृत्व में किया गया प्रदर्शन, सभा की माफी की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। अखिल उत्तर प्रदेश जाट महासभा के जिला अध्यक्ष भूरे सिंह चौधरी के नेतृत्व में जाट समाज के पदाधिकारियों ने प्रदर्शन व विरोध जताते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की कथित टिप्पणी पर कड़ी नाराजगी जताई। ज्ञापन में जाट महासभा व जिला अध्यक्ष भूरे सिंह ने आरोप लगाया कि सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल द्वारा जाट समाज को लेकर मोबाइल वीडियो के माध्यम से कथित अमर्यादित टिप्पणी की गई। महासभा पदाधिकारियों का कहना है कि जाट समाज ने देश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। समाज के अनेक लोगों ने राजनीति और प्रशासन सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाकर देश की सेवा की है। पदाधिकारियों ने कहा कि किसी भी जाति या समाज के बारे में अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल सामाजिक सौहार्द के लिए उचित नहीं है। कथित टिप्पणी से जाट समाज के लोगों में नाराजगी है और इसे लेकर समाज के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। जाट महासभा ने मांग की कि सपा प्रदेश अध्यक्ष अपनी कथित टिप्पणी को लेकर जाट समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और भविष्य में किसी भी समाज के प्रति आपत्तिजनक या अमर्यादित भाषा का प्रयोग न किया जाए। महासभा पदाधिकारियों ने कहा कि राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन किसी भी समाज के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली भाषा का समर्थन नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर माफी नहीं मांगी गई तो वह घोर आंदोलन के लिए बाध्य होंगे ज्ञापन सौंपने के दौरान जाट महासभा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिनमे जिला अध्यक्ष भूरे सिंह चौधरी, अजय चौधरी,युवा जिलाध्यक्ष, मनोज चौधरी,अनिल पाल सिंह, सरंक्षक, सुरज सिंह, सुनील सिंह, महेंद्र सिंह, रमेश सिंह, ओमवीर सिंह, युवा जिला अध्यक्ष अनुज हुड्डा,विजेंद्र सिंह, राजवीर सिंह शामिल रहें।

अमेरिकन एडुग्लोबल अकादमी के बच्चों ने जिलाधिकारी को बांधी राखी

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर अमेरिकन एडुग्लोबल अकादमी के बच्चों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी हापुड़ कविता मीना को राखी बांधी। बच्चों ने जिलाधिकारी को तिलक लगाकर राखी बांधी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिलाधिकारी कविता मीना ने बच्चों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं तथा उन्हें चॉकलेट एवं उपहार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और रक्षा के पवित्र बंधन का प्रतीक है। बच्चों द्वारा दिया गया यह स्नेह अत्यंत भावुक करने वाला है। जिलाधिकारी ने बच्चों को खूब मन लगाकर पढ़ाई करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

32.5 टन चोरी के सरिया संग पांच को पुलिस ने किया गिरफ्तार

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। मान्धाता थाना पुलिस ने चोरी की सरिया के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 32.5 मीट्रिक टन सरिया बरामद कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से चोरी के माल की खरीद-फरोख्त से जुड़े नेटवर्क में खलबली मच गई है। कार्रवाई का नेतृत्व थाना प्रभारी मान्धाता धनन्जय राय ने किया। पुलिस के मुताबिक, झारखंड के कोडरमा से महाराष्ट्र के सतारा के लिए भेजी गई 41.760 मीट्रिक टन सरिया निर्धारित स्थान पर नहीं पहुंची। ट्रक चालक द्वारा लगातार अलग-अलग स्थानों की जानकारी दिए जाने के बाद मामले में संदेह गहराया। तहरीर के आधार पर मान्धाता थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी आलोक कुमार तथा क्षेत्राधिकारी रानीगंज प्रशान्त राज के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी धनन्जय राय की टीम ने जांच आगे बढ़ाई। पूछताछ और निशानदेही के आधार पर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर चोरी की सरिया बरामद की।

पुलिस ने धर्मेन्द्र पटेल, अरविन्द यादव, नौशाद, संजय शुक्ला उर्फ सुशील शुक्ला और रामअजोर पटेल को गिरफ्तार किया है। बरामद सरिया की पहचान वादी द्वारा चोरी गए माल के रूप में की गई। बरामदगी में रामअजोर पटेल के बेसमेंट से करीब 16 टन, अरविन्द यादव के कब्जे से 3 टन, नौशाद के गोदाम से 3 टन, धर्मेन्द्र पटेल के गोदाम से 1.5 टन, संजय शुक्ला के गोदाम से 1.5 टन, जबकि राजकुमार त्रिपाठी की दुकान से 3 टन और देवीशंकर मिश्रा की दुकान से 4.5 टन सरिया बरामद होना बताया गया है।

पुलिस के अनुसार, राजकुमार त्रिपाठी और देवीशंकर मिश्रा मौके पर नहीं मिले। वहीं विवेचना में अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं, जिनकी भूमिका की जांच करते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्यवाही मे मान्धाता थाना प्रभारी धनन्जय राय के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अनूप यादव, कांस्टेबल शिवराम मिश्रा, कांस्टेबल हरिपाल, रिजर्व महिला कांस्टेबल पूजा यादव-1 तथा चालक/अपर उपनिरीक्षक रतन लाल त्रिपाठी की टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने मुकदमे में बरामदगी और विवेचना के आधार पर संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी की है। पुलिस का कहना है कि चोरी के माल की खरीद-फरोख्त में शामिल अन्य व्यक्तियों के संबंध में भी जांच जारी है।

तहसील चौपला पर बुजुर्ग महिला की मदद को आगे आई महिला थानाध्यक्ष अरुणा राय

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। हापुड़ की व्यस्त सड़कों पर जहां लोग अपनी मंजिल की ओर भागते नजर आते हैं, वहीं तहसील चौपला पर हापुड़ पुलिस का मानवीय चेहरा देखने को मिला। सड़क पार करने में हिचक रही एक बुजुर्ग महिला की मदद के लिए महिला थानाध्यक्ष अरुणा राय तुरंत आगे आईं।महिला थानाध्यक्ष की नजर जैसे ही बुजुर्ग महिला पर पड़ी, उन्होंने बिना देर किए उसके हाथ से सामान का थैला लिया और ट्रैफिक के बीच उसे सुरक्षित सड़क पार करवाया। महिला थानाध्यक्ष के इस मानवीय एवं संवेदनशील कार्य की मौके पर मौजूद लोगों ने सराहना की। पुलिस के इस मानवीय व्यवहार ने आमजन के बीच पुलिस की सकारात्मक छवि को और मजबूत किया।

गरीब बच्चों के लिए विधायक विजयपाल आढ़ती ने बांटी 50 साइकिलें, जिला पंचायत चेयरमैन रेखा हूण ने बांधी राखी

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। सदर विधायक विजयपाल आढ़ती ने गुरुवार को जरूरतमंद एवं गरीब परिवारों के 50 बच्चों को साइकिलों का वितरण किया। ये विद्यार्थी करीब 10 किलोमीटर दूर स्थित सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई के लिए प्रतिदिन आवागमन करते हैं। साइकिल मिलने से बच्चों के लिए स्कूल पहुंचना आसान होगा और उन्हें शिक्षा जारी रखने में सुविधा मिलेगी।कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत चेयरमैन रेखा हूण ने सदर विधायक विजयपाल आढ़ती की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को मजबूत किया। रक्षाबंधन के अवसर पर हुए इस भावुक पल ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया।विधायक विजयपाल आढ़ती ने कहा सदर विधायक विजयपाल आढ़ती ने कहा कि गरीब और जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। कई बच्चे आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण प्रतिदिन कई किलोमीटर पैदल चलकर विद्यालय पहुंचते हैं। ऐसे बच्चों को साइकिल मिलने से उनका समय और मेहनत दोनों बचेंगे तथा वे पढ़ाई पर अधिक ध्यान दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा केवल साधनों के अभाव में शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। जिला पंचायत चेयरमैन रेखा हूण ने कहा जिला पंचायत चेयरमैन रेखा हूण ने कहा कि बच्चों को साइकिल उपलब्ध कराना शिक्षा की राह को आसान बनाने वाला सराहनीय कदम है। दूर-दराज के गांवों से स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के पावन अवसर पर विधायक विजयपाल आढ़ती को राखी बांधकर उन्होंने भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को सम्मान दिया है।साइकिल प्राप्त करने वाले बच्चों के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए विधायक का आभार व्यक्त किया।

ब्याज का हिसाब लेने के लिए सातवें दिन भी जारी रहा किसानों का धरना

हापुड़। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार वीएम सिंह के आह्वान पर किसानों का धरना लगातार सातवें दिन बुधवार को भी नवीन मंडी स्थित जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय के सामने जारी रहा। संगठन के जिलाध्यक्ष अशोक ढींगरा के नेतृत्व में किसानों ने 30 वर्षों के गन्ना भुगतान पर मिलने वाले ब्याज का पूरा विवरण उपलब्ध कराने की मांग उठाई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के महासचिव चौधरी वीरपाल सिंह ने कहा कि किसानों को ब्याज का पूरा विवरण मिलने तक जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। किसानों ने जिला गन्ना अधिकारी के माध्यम से अपना गन्ना चीनी मिलों को दिया है। ऐसे में किसानों के 30 वर्षों के ब्याज का पूरा हिसाब उपलब्ध कराना जिला गन्ना अधिकारी की जिम्मेदारी है।

रक्षाबंधन पर मिशन शक्ति के तहत रुदौली पुलिस ने महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

वेलकम इंडिया/फतेह खान

शुजागंज/अयोध्या। रक्षाबंधन त्योहार के दृष्टिगत कोतवाली रुदौली पुलिस ने कस्बा रुदौली में गश्त कर महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति फेज-5.0 के द्वितीय चरण के तहत जागरूक किया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। पुलिस टीम ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी आपात स्थिति में महिलाएं वूमेन पावरलाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, महिला हेल्पलाइन 181, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108, पुलिस आपातकालीन सेवा 112 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर सहायता प्राप्त कर सकती हैं। इसके साथ ही महिलाओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, विधवा पेंशन योजना एवं वृद्धावस्था पेंशन योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं के संबंध में भी जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर अपराध, जनधन खातों के दुरुपयोग, ऑनलाइन ठगी तथा डिजिटल अरेस्ट जैसी साइबर धोखाधड़ी से बचाव के लिए भी लोगों को जागरूक किया। पुलिस ने किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी अथवा व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने की अपील की। इस अवसर पर महिला उपनिरीक्षक एवं महिला पुलिसकर्मियों सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से पुलिस ने महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण के प्रति जागरूक रहने और किसी भी परेशानी की स्थिति में तत्काल पुलिस की मदद लेने का संदेश दिया।

करमसखेड़ी में शानो शौकत से निकला गया जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। तहसील नजीबाबाद क्षेत्र के ग्राम करमसखेड़ी में जश्ने ईद मिलादुन्नबी हर साल की तरह इस साल भी बहुत शानो शौकत से निकाला गया जलूसे मोहम्मदी में सरकार की आमद मरहबा सरकार मरहबा के नारों से गूंजी गली गली जलूसे मोहम्मदी मदरसा शमशुल इस्लाम से पूरे गांव में गष्ट करते हुए सुन्नी रजा जामा मस्जिद के सामने जाकर ठहरा फिर मदरसा समसुल इस्लाम पर जाकर समाप्त हुआ नजीबाबाद से तशरीफ लाए मौलाना ने हुजूर की शान की क्या अजमत है अपने बयान में लोगों को समझाया और कहां अगर प्यारे नबी दुनिया में तशरीफ ना लाते तो यह दुनिया का वजूद ना होता और हजरत मौलाना अहमद रजा सुन्नी राजा जामा मस्जिद इमाम करमसखेड़ी ने कहा मेरे प्यारे नबी की वह शान है की जिसकी तारीफ खुद अल्लाह ताला करता है इसीलिए हम सरकार की आमद को बुलंद करते हैं जुलूस में शामिल रहे रईस अहमद हाफिज जिया उल मुस्तफा हाफिज यूनुस मोहम्मद शहजाद अनीस अहमद पत्रकार महमूद रजा शमशीर अहमद आफाक रिजवान नौशाद इमरान साजिद फिरोज अमीर हम्जा अली हसनैन अहमद रजा मकसूद मोहम्मद अहमद फहीम अहमद नवाब इस्लामु खुर्शीद ताहिर अहमद सलीम अहमद और भी अधिक लोगों ने जुलूस में शिरकत फरमाए और पुलिस प्रशासन ने भी अपनी ड्यूटी मुस्तहदी के साथ निभाई।

निर्धारित रूट पर बस चलाने को लेकर मारपीट व फायरिंग, मुख्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। थाना हापुड़ देहात पुलिस ने निर्धारित रूट पर बस चलाने को लेकर मारपीट, फायरिंग एवं लूट की घटना में वांछित मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से लूटे गए 4,220 रुपये नकद, एक पर्स, आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा घटना में प्रयुक्त अवैध तमंचा मय दो जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद किए हैं।पुलिस के अनुसार, जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हापुड़ देहात पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 335/2026, धारा 115(2), 351(2), 352, 109(1), 309(4), 127(2), 3(5), 317(2) बीएनएस में नामित मुख्य आरोपी को गोंदी-सलाई अंडरपास के पास से गिरफ्तार किया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान शाहब पुत्र उस्मान निवासी ग्राम ददपा, थाना पिलखुवा, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।बरामदगी:4,220 रुपये नकदएक पर्सआधार कार्ड एवं पैन कार्डघटना में प्रयुक्त अवैध तमंचा दो जिंदा कारतूस .315 बोर गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः उपनिरीक्षक हेमन्त कुमार, थाना हापुड़ देहात; उपनिरीक्षक मनीष कुमार रघुवंशी, थाना हापुड़ देहात तथा पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

छात्राओं ने विधायक को राखी बांधकर लिया रक्षा का वचन

वेलकम इंडिया/फतेह खान

शुजागंज/अयोध्या। डीएसएम लायंस पब्लिक स्कूल, रौजागाँव की छात्राओं ने रक्षाबंधन के अवसर पर रुदौली विधायक रामचंद्र यादव को राखी बांधकर रक्षा का वचन लिया। छात्राओं ने विधायक को राखी बांधकर उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर विधायक रामचंद्र यादव ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और विश्वास का पवित्र पर्व है। छात्राओं का यह स्नेह मेरे लिए गौरव का क्षण है। बेटियों की सुरक्षा और सम्मान के लिए मैं सदैव उनके साथ खड़ा रहूंगा। उन्होंने सभी छात्राओं को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। राखी बांधने वाली छात्राओं में रिद्धि मिश्रा, प्रिन्सी यादव, साध्वी मिश्रा, अफीफा अंजुम एवं यशी राठौर शामिल रहीं। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता करुणाकर पांडे एवं विद्यालय के शिक्षक नीरज द्विवेदी उपस्थित रहे।

पर्यटन सर्किटों को पैकेज के रूप में विकसित करने पर जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटन स्थलों को वर्षभर पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में सचिव पर्यटन के साथ बैठक हुई। बैठक में राज्य को सालभर पर्यटन का प्रमुख गंतव्य बनाने के लिए नए डेस्टिनेशन, पर्यटन उत्पाद और स्थानीय सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि पर्यटन को नैनीताल और मसूरी जैसे पारंपरिक एवं अधिक पर्यटक दबाव वाले स्थलों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। नए और कम प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों को विकसित कर उनका प्रभावी प्रचार किया जाए, ताकि पर्यटकों का दबाव कम होने के साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों और स्थानीय समुदायों को भी पर्यटन का लाभ मिल सके। उन्होंने जीएमवीएन, केएमवीएन, पर्यटन से जुड़े स्टेक होल्डरों और संबंधित विभागों से सुझाव लेकर राज्य में विंटर टूरिज्म की संभावनाओं वाले क्षेत्रों को चिह्नित करने के निर्देश दिए। प्रत्येक डेस्टिनेशन की विशेषता और यूएसपी के आधार पर वहां उपयुक्त पर्यटन गतिविधियां विकसित करने को कहा गया। मुख्य सचिव ने नए ट्रैकिंग रूट विकसित करने के साथ हाई-अल्टीट्यूड मैराथन, बर्ड वॉचिंग, नेचर और एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। संभावित पर्यटन स्थलों पर आवश्यक सुविधाओं, आयोजनों और पर्यटन उत्पादों के विकास की समग्र योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने स्थानीय स्टेक होल्डरों, टूर ऑपरेटरों और समुदायों को पर्यटन विकास में सक्रिय रूप से शामिल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के सुझावों को योजनाओं में शामिल करने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और रिवर्स माइग्रेशन को भी प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्य सचिव ने उत्तराखंड की परिस्थितियों से मिलते-जुलते विदेशी पर्यटन स्थलों के सफल मॉडलों का अध्ययन कर राज्य के लिए नए पर्यटन उत्पाद विकसित करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने पर्यटन सर्किटों को एक पैकेज के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर दिया। जागेश्वर, कसार देवी और सूर्य मंदिर जैसे प्रमुख स्थलों को जोड़कर समेकित पैकेज टूर तैयार करने तथा इनके प्रचार-प्रसार का कार्य समय रहते शुरू करने को कहा। नए पर्यटन प्रोजेक्टों की संभावनाओं की समीक्षा के लिए 15 दिन के भीतर दोबारा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही विंटर टूरिज्म और नए पर्यटन उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन कॉन्क्लेव आयोजित करने की बात कही गई। बैठक में सचिव धीराज सिंह गर्ब्याल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में दीप जले

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की पुण्यतिथि के अवसर पर राधाकुंड परिक्रमा मार्ग स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंह नवग्रह वाटिका, लोकमणि विहार में श्रद्धांजलि एवं दीपदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले वीर सेनानियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। नवग्रह वाटिका परिसर स्थित 'स्मारक श्रद्धांजलि स्थल' पर दीप प्रज्वलित कर सेनानियों को नमन किया गया। उपस्थित लोगों ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों का त्याग और राष्ट्र के प्रति समर्पण देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनके बलिदान को याद रखना और आने वाली पीढ़ी तक उनके आदर्शों को पहुंचाना समाज की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के अध्यक्ष राजेंद्र केशोरैया तथा जिला महामंत्री पंडित कैलाश चंद्र मिश्रा सहित चैतन्य कृष्ण शर्मा, अशोक शर्मा, सियाराम शर्मा, अतुल सोनी, गोपाल भोगी, गौरव कौशिक, आकाश मिश्रा, दीपक शर्मा, राम कुमार शर्मा, वंश शर्मा, अंश शर्मा, अनंत मिश्रा, सोनू चौधरी, लखन चौधरी, दुर्गेश दुबे और अखिलेश शर्मा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सम्मान एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना के साथ हुआ।

दुधारा पुलिस द्वारा 'ऑपरेशन मजनू' के तहत की गई प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददात

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन के क्रम में जनपद में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ रखने, शोहदों व मनचलों पर अंकुश लगाने तथा महिलाओं/ बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बृहस्पतिवार को विशेष अभियान 'ऑपरेशन मजनू' के अंतर्गत थाना दुधारा पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई की गई है। थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा के कुशल पर्यवेक्षण में दुधारा पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र के प्रमुख चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों के आसपास और संदिग्ध स्थलों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान अनावश्यक रूप से घूमते और शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाले कुल 19 व्यक्तियों को चिन्हित किया गया। साथ ही, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले तथा संदिग्ध परिस्थितियों में पाए गए 10 दोपहिया वाहनों को भी कार्रवाई की जद में लिया गया। पुलिस द्वारा सभी 19 व्यक्तियों एवं 10 दोपहिया वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की गई है।

बाबा कढ़ेरा सिंह विद्या मंदिर नगला अक्खा में मनाई गई बाबा कढ़ेरा सिंह की दसवीं पुण्यतिथि, श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया याद

वेलकम इंडिया संवाददात

मथुरा/सोंख। बाबा कढ़ेरा सिंह विद्या मंदिर, अक्खा, सौंख में बुधवार को संस्थान के संस्थापक ब्रह्मलीन स्व. बाबा कढ़ेरा सिंह जी की दसवीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। विद्यालय परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बाबा जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय के चेयरमैन सुरेश सिंह ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पूज्य बाबा जी ने जिस उद्देश्य से शिक्षा की अलख जगाई थी, वह आज साकार हो रही है। उन्होंने कहा, ₹श्रद्धेय बाबा जी द्वारा रोपा गया शिक्षा का छोटा सा पौधा आज वटवृक्ष के रूप में विशाल रूप ले चुका है। यह वटवृक्ष अपने ज्ञान के प्रकाश से क्षेत्र में अशिक्षा के अंधकार को दूर कर रहा है। बेटियों की शिक्षा के लिए उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

प्रबंध निदेशक गौरव सिंह ने बाबा जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा कढ़ेरा सिंह जी मानवीय मूल्यों के सच्चे प्रतीक थे। वे सहज, सरल और सादगी पसंद थे। दूसरों की सहायता के लिए वे सदैव तत्पर रहते थे। विनम्रता, मधुरता, सौम्यता, सेवा और त्याग उनके जीवन के मूल मंत्र थे। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार उनके दिखाए मार्ग और सिद्धांतों पर चलने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर वीरपाल प्रधान ने कहा कि बाबा जी ने इस पिछड़े क्षेत्र में विद्यालय की नींव रखकर यहां के लोगों को शिक्षा का वरदान दिया है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस कार्यक्रम में प्रबंधक प्रहलाद सिंह, प्राचार्य रामबाबू, शिक्षा प्रभारी एस.वी. सिंह, फौरन सिंह, संतोष सिंह, डॉ. अशोक,जी.एस. शर्मा, हरनाम सिंह, तेजवीर सिंह, नबाब सिंह, यादराम सिंह, नरेन्द्र सिंह निरंजन सिंह, हरिचंद सिंह, सगुन सिंह, शेर सिंह सहित समस्त स्टाफ एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में सभी ने बाबा जी की पुण्यतिथि पर दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

नेपाल आपदा को लेकर संतकबीरनगर प्रशासन अलर्ट, नागरिकों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

वेलकम इंडिया संवाददात

संतकबीरनगर। नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा के बाद संतकबीरनगर जिला प्रशासन ने जनपद के नागरिकों की सुरक्षा और सहायता के लिए कदम तेज कर दिए हैं। जिलाधिकारी आलोक कुमार के निर्देश पर प्रशासन ने नेपाल में फंसे या लापता होने की आशंका वाले नागरिकों की जानकारी जुटाने और समन्वय के लिए आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। जिला प्रशासन ने बताया कि यदि जनपद का कोई नागरिक नेपाल में फंसा है या उसके लापता होने की सूचना मिलती है तो परिजन तत्काल जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) अथवा कलेक्ट्रेट कंट्रोल रूम से संपर्क कर सकते हैं। आपदा प्रबंधन टोल फ्री नंबर 1070 और 1077 तथा टेलीफोन नंबर 05547-297227 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा जिला आपदा विशेषज्ञ के मोबाइल नंबर 9598666578, उप जिलाधिकारी खलीलाबाद 9454415925, उप जिलाधिकारी मेंहदावल 9454415926 और उप जिलाधिकारी धनघटा 9454415927 पर भी सूचना दी जा सकती है। प्रशासन ने लापता व्यक्ति की सूचना दर्ज कराने के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। इसमें लापता व्यक्ति का नाम, उम्र, लिंग, आधार कार्ड नंबर, स्थायी पता, नेपाल में अंतिम ठहराव या लोकेशन, आखिरी बार हुई बातचीत का समय, मोबाइल नंबर, संभावित होटल या गाइड की जानकारी और सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम व संपर्क नंबर शामिल है। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों से बचें और सोशल मीडिया पर चल रही अपुष्ट खबरों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि केवल जिला प्रशासन और भारतीय दूतावास की आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। उन्होंने बताया कि नेपाल के कई क्षेत्रों में नेटवर्क प्रभावित हो सकता है।

चार साल बाद हुई यूपी टेट के नतीजे ने तोड़े सफलता के रिकॉर्ड

परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत अधिकांश शिक्षक हुए सफल, विद्यालय एवं परिवार में खुशी का माहौल

वेलकम इंडिया संवाददात

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने शिक्षक पात्रता परीक्षा यूपी टेट 2026 का परिणाम बुधवार को देर शाम घोषित कर दिया है। प्राथमिक स्तर की परीक्षा में 80.07 और उच्च प्राथमिक में 71.85 फीसदी अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए हैं। परीक्षा में शामिल विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों ने भी बड़ी संख्या में सफलता हासिल की है। इस परीक्षा में 122405कार्यरत शिक्षकों में से 93387 यानी 76.29 प्रतिशत शिक्षक सफल घोषित हुए हैं। विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों द्वारा बड़ी सफलता मिलने पर खुशी की लहर है। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आरटीआई लागू होने के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को भी टेट पास करना अनिवार्य था। यूपी टेट का परिणाम जारी होने के बाद सफल शिक्षकों के परिवार एवं विद्यालय में गुरुवार के दिन जश्न एवं खुशी का माहौल रहा ।शिक्षकों एवं परिवार सदस्यों ने मिष्ठान वितरण कर खुशी मनाई। सेमरियावां ब्लॉक के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों ने बड़ी संख्या में सफलता अर्जित की है ।25 और तीस साल बाद टेट परीक्षा में शामिल बहुत से शिक्षकों ने पहले प्रयास में सफलता अर्जित की है ।कई शिक्षकों ने टेट से पूर्व सीटेट की भी टेस्ट पास कर लिया है। सेमरियावां ब्लॉक में चारों ओर खुशी है। टेट क्वालिफाइड करने वालों में जफीर अली करखी, अब्दुर्रहीम, जलालुद्दीन, महमूद अहमद, मुबारक हुसैन, शमीम अहमद, अब्दुल अजीम, तसनीम फातमा, आबिदा बतूल, अजुर्नंद फातमा, रजिया खातून, सरवरी खातून, खुर्शीद जहां, सुहेल अहमद, फैय्याज अहमद, अब्दुर्रहमान, इम्तियाज अहमद, नसीबा खातून, नसरीन बानो, हाजरा खातून, मनोज कुमार अनिल, पंकज कुशवाहा, आनंद प्रकाश सोहन लाल, बैरागी आदि ने सफलता अर्जित कर ब्लॉक और जनपद का नाम रोशन किया है। बहुत से लोगों ने बधाई दिया है। मशहूर आलम चौधरी, मुनीर चौधरी, अंबिका देवी यादव, के सी सिंह, अशोक कुमार गुप्ता ,मो आजम, मो शोएब अख्तर, राम निवास, विनोद यादव, अजीत सिंह, शैलेन्द्र वरुण,राम शरण यादव, अखिलेश चंद, अरुण यादव, जयभान चौधरी ,मुजीबुल्लाह प्रिंसिपल, शमशेर अहमद मैनेजर, एजाज अहमद कारखी, मो. मोकर्रम, अन्वार आलम चौधरी,फैजान अहमद, फुजेल अहमद, मो अहमद, कायनात फातमा जिला पंचायत सदस्य, अफजाल अहमद प्रधान मुनव्वर खान, मसरूर खान,कमरे आलम सिद्दीकी, मुख्तार आलम सिद्दीकी, ने ब्लॉक और जनपद के शिक्षकों को टेट में सफल होने पर बधाई एवं मुबारकबाद पेश किया है।

कोतवाली पुलिस द्वारा 'ऑपरेशन मजनू' के तहत की गई प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन के क्रम में जनपद में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ रखने, शोहदों व मनचलों पर अंकुश लगाने तथा महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बृहस्पतिवार को विशेष अभियान 'ऑपरेशन मजनू' के अंतर्गत थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश दूबे के नेतृत्व में सख्त कार्रवाई की गई है। प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश दूबे के कुशल पर्यवेक्षण में कोतवाली खलीलाबाद पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र के प्रमुख चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों के आसपास और संदिग्ध स्थलों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान अनावश्यक रूप से घूमते और शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाले कुल 64 वाहनों से 106000 रूपया का चालान किया गया एवं तीन बुलेट चीज किया गया तथा दो अन्य हीरो होंडा मोटरसाइकिल को सीज किया गया तथा ऑपरेशन मजनू के तहत 6 लोगों का माफी नामा भरवारा गया।

पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधकर नौनिहालों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददात

मथुरा/बलदेव। विकास खंड बलदेव के प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर के छात्र-छात्राओं ने रक्षाबंधन का पावन पर्व एक अनोखे और प्रेरणादायी अंदाज में मनाया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम विद्यालय शिक्षक परिवार ने छात्र-छात्राओं के साथ मिलकर ₹वृक्षाबंधन कार्यक्रम₹ का आयोजन कर पेड़ों को रक्षा सूत्र रूपी राखी बांधकर उनकी आजीवन रक्षा करने और पर्यावरण संरक्षण का अटूट संकल्प लिया। यथार्थ में वृक्षाबंधन कार्यक्रम सिर्फ एक प्रतीकात्मक रस्म नहीं, बल्कि एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव है, जिसमें छात्राएं पेड़ों को भाई की तरह मानती हैं और उनकी रक्षा का संकल्प लेती हैं। इस अवसर पर छात्रों ने पेड़ों को अपना सच्चा मित्र बताते हुए समाज को यह संदेश दिया कि प्रकृति की रक्षा करना हम सभी का प्राथमिक कर्तव्य है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ. जगदीश पाठक ने उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। यदि हम आज इन पेड़ों की रक्षा करेंगे, तो कल ये पेड़ हमें शुद्ध वायु, जल और सुरक्षित भविष्य प्रदान करेंगे। रक्षाबंधन का त्योहार केवल इंसानी रिश्तों तक सीमित न रहकर प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी दर्शाता है। कार्यक्रम में बच्चों ने पर्यावरण जागरुकता से जुड़ा बैनर हाथों में लेकर सभी से कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने की अपील की। इस अवसर पर गीता सक्सेना, ममता रानी, अचल कुमार, प्रेमचंद्र आदि की उपस्थिति मुख्य रही।

भुवनेश कुमार बने असिस्टेंट कमांडेंट

वेलकम इंडिया संवाददात

मथुरा/गोवर्धन। ब्लॉक के गांव नगला छिंगा निवासी भुवनेश कुमार पुत्र विजयपाल सिंह चौधरी का यूपीएससी सीएपीएफ घोषित परिणाम में ऑल इंडिया 245 रैंक मिलने पर प्रथम बार अपने पैतृक गांव नगला छिंगा पहुंचने पर ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। जिला पंचायत अध्यक्ष मथुरा किशन सिंह द्वारा उनके गांव पहुंचकर स्वागत किया गया, भुवनेश कुमार के दादा स्व. श्री गोवर्धन सिंह ग्राम पंचायत नगला छिंगा से निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। वही उनकी ताई श्रीमती रजनी चौधरी गोवर्धन ब्लॉक प्रमुख रह चुकी हैं। इस अवसर पर विनोद प्रमुख, जगदीश कुंतल, जिला सहकारी बैंक निदेशक मथुरा, विजय सिंह एलडीबी चेयरमैन गोवर्धन, बलजीत प्रधान, चंद्रपाल प्रधान, भीकम प्रधान, रामवीर प्रधान, चंदीराम, हरदम प्रधान बोरपा, राजवीर सिंह, मनोज कुंतल, अजीत चौधरी, तेजपाल, योगेश पहलवान, थान सिंह, सचिन आदि क्षेत्र के गणमान्य लौग मौजूद रहे।

आगामी रक्षाबन्धन पर्व को लेकर छात्राओं ने पुलिस अधीक्षक को बांधी राखी, एसपी ने दिया सुरक्षा एवं सम्मान का भरोसा

वेलकम इंडिया संवाददात

संतकबीरनगर। आगामी रक्षाबंधन पर्व को लेकर कुड़ी लाल रुंगटा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर विधियानी व जयपुरिया स्कूल, खलीलाबाद की छात्राओं ने पुलिस कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना को स्नेह एवं विश्वास के साथ राखी बांधी गयी। छात्राओं ने पुलिस अधीक्षक की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं तथा पुलिस के प्रति अपना विश्वास, अपनत्व एवं स्नेह व्यक्त किया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह की कलाई पर भी छात्राओं द्वारा राखी बांधी गयी। राखी बंधवाने के उपरान्त अधिकारीगण द्वारा छात्राओं से आत्मीयता से संवाद करते हुए उन्हें स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया । पुलिस अधीक्षक ने कहा कि राखी केवल एक धागा नहीं, बल्कि भाई-बहन के पवित्र रिश्ते, विश्वास, स्नेह और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने छात्राओं को विश्वास दिलाया कि संतकबीरनगर पुलिस प्रत्येक बेटी और बहन की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वाभिमान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर है। पुलिस अधीक्षक महोदय ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तथा अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बेटियों एवं महिलाओं की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इस आत्मीय अवसर ने पुलिस एवं आमजन के बीच विश्वास, अपनत्व और भावनात्मक जुड़ाव को और मजबूत किया। छात्राओं द्वारा पुलिस अधिकारियों को बांधी गयी राखी ने रक्षाबंधन के पवित्र संदेश 'स्नेह, विश्वास और सुरक्षा' को सार्थक रूप से अभिव्यक्त किया।

ब्लैकमेलिंग से परेशान छात्रा आत्महत्या करने पहुंची, समाजसेवियों ने बचाया

वेलकम इंडिया संवाददात

मथुरा। दुष्कर्म के कथित मामले और अश्लील वीडियो के जरिए ब्लैकमेलिंग से परेशान एक छात्रा आत्महत्या करने के इरादे से डैंपियर नगर पहुंच गई। इसी दौरान समाजसेवी ममता गौतम और प्रदीप बनर्जी की नजर रोती-बिलखती युवती पर पड़ी। दोनों ने उसे समझाकर आत्मघाती कदम उठाने से रोका और उसे लेकर एसएसपी कार्यालय पहुंचे। छात्रा ने शिकायती पत्र देकर बताया कि संदीप उपाध्याय पहले उसके मकान में किराएदार के रूप में रहता था। आरोप है कि जरूरी काम के बहाने उसे रुक्मिणी विहार स्थित फ्लैट पर बुलाकर नशीला पदार्थ पिलाया गया और कथित रूप से दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना लिया गया। छात्रा का आरोप है कि वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल किया गया और उससे रुपये भी लिए गए। साथ ही उसके व्हाट्सऐप और ईमेल अकाउंट को हैक कर निजी जानकारी हासिल करने का भी आरोप लगाया है। पीड़िता के मुताबिक आरोपी और उसके परिजनों की कथित धमकियों से वह मानसिक रूप से परेशान हो गई थी, जिसके चलते उसने आत्महत्या का कदम उठाने का फैसला किया। एसएसपी कार्यालय पहुंचकर छात्रा ने मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। मामले में तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है।

रक्षाबंधन को लेकर सजा राखियों का बाजार, खरीदारी को उमड़ी महिलाओं की भारी भीड़

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमरिया/पीलीभीत। भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व नजदीक आते ही कस्बे के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। पर्व को लेकर बाजार में विभिन्न प्रकार की सुंदर, आकर्षक और रंग-बिरंगी राखियों से सजी दुकानें सज गई हैं। राखी खरीदने के लिए महिलाएं और युवतियां बाजार का रुख कर रही हैं। गुरुवार को कस्बे के मुख्य बाजार में राखियों की दुकानों पर खरीदारी करने वालों की काफी भीड़ दिखाई दी।बाजार में इस बार पारंपरिक राखियों के साथ-साथ आधुनिक डिजाइन और आकर्षक रंगों वाली राखियां भी उपलब्ध हैं। बहनें अपने भाइयों की कलाई पर बांधने के लिए रेशम की सुंदर राखियों को विशेष रूप से पसंद कर रही हैं। दुकानदारों ने ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए कम कीमत से लेकर महंगी और डिजाइनर राखियों की विभिन्न वैरायटी सजाई हैं।बच्चों के लिए भी बाजार में खास तरह की राखियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। तितली की डिजाइन, कार्टून कैरेक्टर और तिरंगे की डिजाइन वाली राखियां बच्चों को खूब पसंद आ रही हैं। इसके अलावा मोती, नग और चमकीले रंगों से सजी राखियों की भी मांग बनी हुई है। कई दुकानों पर छोटे बच्चों के लिए आकर्षक पैकिंग में राखियों के सेट भी उपलब्ध हैं।वहीं, आभूषणों की दुकानों पर चांदी से बनी राखियों के नए डिजाइन भी ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। लोग अपनी पसंद और बजट के अनुसार राखियों की खरीदारी कर रहे हैं। बाजार में राखियों की कीमत अलग-अलग होने के कारण हर वर्ग के ग्राहक के लिए विकल्प मौजूद हैं।रक्षाबंधन पर्व को लेकर बाजार में बढ़ी चहल-पहल से दुकानदार भी उत्साहित हैं।

दुकानदारों को उम्मीद है कि पर्व के नजदीक आने के साथ राखियों की बिक्री में और तेजी आएगी। बाजार में खरीदारी के साथ मिठाई और उपहारों की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने लगी है। इससे कस्बे के बाजार में त्योहार का माहौल नजर आने लगा है।

पीआरवी पुलिसकर्मियों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाकर बचाई जान, एसपी ने किया सम्मानित

विजय द्विवेदी/वेलकम इन्डिया

प्रतापगढ़। ढफ्र-8877 पर तैनात कमाण्डर जनार्दन यादव एवं हे0का0 अर्जुन कुमार मौर्य, का0 गोविन्द कुशवाहा द्वारा दिनांक 18.08.2026 को इवेंट संख्या-09103 पर प्राप्त सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए घटनास्थल पर पहुंचकर गोली लगने एवं विवाद के दौरान घायल हुए दोनों व्यक्तियों को समय से उपचार हेतु अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिसकर्मियों की त्वरित कार्यवाही एवं तत्परता से दोनों घायलों को समय पर चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई जा सकी। कमाण्डर जनार्दन यादव एवं हे0का0 अर्जुन कुमार मौर्य, का0 गोविन्द कुशवाहा द्वारा सूचना पर त्वरित रिस्पांस देते हुए घायलों की सहायता करने तथा उन्हें समय से अस्पताल पहुंचाने के इस सराहनीय एवं मानवीय कार्य की उच्चाधिकारियों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। उक्त उत्कृष्ट कार्य के लिए ढफ्र-8877 को पी आर वी दिवस के रूप में चयनित किया गया। पी आर वी दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ श्री दीपक भूकर द्वारा कमाण्डर जनार्दन यादवएवं हे0का0 अर्जुन कुमार मौर्य, का0 गोविन्द कुशवाहा को उनके कर्तव्य के प्रति निष्ठा, त्वरित कार्यवाही एवं मानवीय संवेदनशीलता के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा दोनों पुलिसकर्मियों के कार्य की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

संत गोरखनाथ चिल्ड्रन एकेडमी में धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। नगर स्थित संत गोरखनाथ चिल्ड्रन एकेडमी में भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छात्राओं ने छात्रों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी दीर्घायु और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। छात्रों ने भी बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हुए उन्हें उपहार भेंट किए।कार्यक्रम में शिक्षकों ने विद्यार्थियों को रक्षाबंधन के महत्व के साथ भाई-बहन के नैतिक कर्तव्यों और आपसी सम्मान की जानकारी दी। बच्चों ने गीत, कविताएं और प्रेरक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। इस दौरान राखी बनाओ और पूजा थाली सजाओ प्रतियोगिता भी कराई गई, जिसमें विद्यार्थियों ने प्रतिभा दिखाई। विद्यालय प्रबंधक क्षितिज मित्तल और प्रधानाचार्या कुमारी रंजना मित्तल ने विद्यार्थियों व अभिभावकों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंत में विद्यार्थियों को मिठाई वितरित की गई। कार्यक्रम में समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल की छात्राओं ने जिलाधिकारी को बांधा रक्षासूत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल की छात्राओं ने जिला मुख्यालय पहुंचकर जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह को राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और प्रेम का संदेश दिया। छात्राओं ने जिलाधिकारी की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। इस दौरान जिलाधिकारी ने भी सभी छात्राओं को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।रक्षाबंधन के इस विशेष आयोजन में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। जिला मुख्यालय पर पहुंचीं छात्राओं ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर उन्हें राखियां बांधीं। जिलाधिकारी ने छात्राओं से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई और भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बालिकाओं को जीवन में निरंतर मेहनत करने, अनुशासन का पालन करने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करना बेहद जरूरी है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी रुचि, क्षमता और प्रतिभा के अनुरूप अपना लक्ष्य तय करना चाहिए। लक्ष्य प्राप्त करने के लिए ईमानदारी, मेहनत और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि समय बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करते हुए पढ़ाई के साथ-साथ अपनी प्रतिभा और व्यक्तित्व के विकास पर भी ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में बेटियां प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। शिक्षा और आत्मविश्वास के बल पर बालिकाएं अपने सपनों को साकार कर सकती हैं। उन्होंने छात्राओं से जीवन में आने वाली चुनौतियों का धैर्य और सकारात्मक सोच के साथ सामना करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान रक्षाबंधन पर्व की खुशियां और भाई-बहन के स्नेह का भाव देखने को मिला। अंत में जिलाधिकारी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्राओं एवं शिक्षकों का धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने माता-पिता, विद्यालय तथा जिले का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

जमीन बेचने के रुपये मांगने पर मां की गला दबाकर हत्या, आरोपी पुत्र हिरासत में

वेलकम इंडिया संवाददाता

बीसलपुर/पीलीभीत। थाना बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम नसरुल्लापुर में जमीन बेचने से मिले रुपयों को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर अपनी मां की गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगा है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी पुत्र को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, 27 अगस्त 2026 को देर रात करीब 1:17 बजे थाना बीसलपुर पुलिस को नसरुल्लापुर गांव में एक महिला की मृत्यु होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतका की पहचान सुनीता देवी पत्नी रामप्रताप गंगवार, उम्र करीब 50 वर्ष, निवासी ग्राम नसरुल्लापुर के रूप में हुई।प्रारंभिक पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतका के पुत्र विकास गंगवार ने अपनी करीब तीन बीघा जमीन बेची थी। जमीन की बिक्री से प्राप्त रकम को लेकर मां और पुत्र के बीच विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि सुनीता देवी अपने पुत्र से जमीन बेचने से मिले रुपये मांग रही थीं।इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर विकास गंगवार ने अपनी मां का गला दबा दिया, जिससे उनकी मौत हो गई।घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी विकास गंगवार पुत्र रामप्रताप गंगवार, उम्र करीब 20 वर्ष, को हिरासत में ले लिया है। उससे घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है।पुलिस का कहना है कि मामले में अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद मृतका के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

रक्षाबंधन पर बच्चियों ने वृक्षों को बांधी राखी, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

प्रयागराज। रक्षाबंधन के पावन पर्व को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए स्वदेश सेवा संस्थान की बच्चियों ने अनूठी एवं प्रेरणादायक पहल की। संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बच्चियों ने अपने हाथों से सुंदर एवं रंग-बिरंगी राखियां तैयार कीं और उन्हें वृक्षों पर बांधकर पेड़ों की रक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। बच्चियों ने संदेश दिया कि जिस प्रकार रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और एक-दूसरे की सुरक्षा के संकल्प का पर्व है, उसी प्रकार वृक्ष और प्रकृति भी हमारे जीवन के अभिन्न साथी हैं। वृक्ष हमें प्राणवायु, छाया, फल, औषधियां और स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं। ऐसे में वृक्षों की रक्षा करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान बच्चियों ने उत्साहपूर्वक पेड़ों पर राखियां बांधीं और संकल्प लिया कि वे स्वयं पर्यावरण एवं वृक्षों की रक्षा करेंगी तथा अपने परिवार और समाज के अन्य लोगों को भी अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल के लिए प्रेरित करेंगी। इस अवसर पर प्रयागराज से गोपी ज्वेलर्स के दिनेश सिंह, जिलाध्यक्ष–इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने भी पर्यावरण संरक्षण की इस पहल की सराहना की और कहा कि रक्षाबंधन जैसे पर्व को प्रकृति की रक्षा के संदेश से जोड़ना समाज के लिए प्रेरणादायक है।

स्वदेश सेवा संस्थान की इस पहल ने रक्षाबंधन के पर्व को भाई-बहन के प्रेम तक सीमित न रखते हुए प्रकृति के प्रति प्रेम, सम्मान और संरक्षण के संकल्प से जोड़ दिया। बच्चियों की इस अनूठी पहल ने समाज को संदेश दिया कि यदि आज हम वृक्षों और पर्यावरण की रक्षा करेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भविष्य प्रदान कर सकेंगे। स्वदेश सेवा संस्थान के संयोजक सचिन सिंह राजकुमार ने कहा कि, पर्यावरण संरक्षण केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारे जीवन और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। जिस प्रकार हम अपने परिवार और प्रियजनों की सुरक्षा का संकल्प लेते हैं, उसी प्रकार हमें प्रकृति और वृक्षों की रक्षा का भी संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और लगातार घटते हरित क्षेत्र को देखते हुए बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना बेहद आवश्यक है। इस तरह के कार्यक्रम बच्चों को प्रकृति से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा भी देते हैं। कार्यक्रम में संस्थान के विद्यार्थी निहारिका, आरिका, काव्या, मानसी सहित अन्य बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बच्चियों ने अपने हाथों से तैयार राखियां वृक्षों पर बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के स्वयंसेवकों शौर्य, राज, अमित, जाह्नवी एवं बमबम सहित अन्य कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। स्वयंसेवकों ने बच्चों के साथ मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया।

बरखेड़ा में सपा का जनसंपर्क अभियान, गांवों में पहुंचे धनपति वर्मा

बदलाव का संदेश देते हुए कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता धनपति वर्मा ने 128 विधानसभा बरखेड़ा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का व्यापक भ्रमण कर ग्रामीणों से जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने मुड़ेला खुर्द, मुड़ेला कलां, जैतपुर, अटकोला, बांसबोझ, नकटिया, ध्योना, वाहनपुर, करनापुर, करोड़, दौलापुर, मोहम्मदगंज और शाहपुरा समेत कई गांवों में पहुंचकर लोगों से मुलाकात की।जनसंपर्क के दौरान धनपति वर्मा ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं और स्थानीय मुद्दों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा जनता के सुख-दुख में साथ खड़ी रही है। किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं और गरीबों के हितों की आवाज पार्टी लगातार मजबूती से उठाती रही है।उन्होंने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी के कारण आम जनता परेशान है। किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य दिलाने और खेती से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। युवाओं के सामने रोजगार का संकट है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को लेकर भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप काम नहीं होने से लोगों में निराशा बढ़ रही है।धनपति वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता की समस्याओं को लेकर लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने दावा किया कि जनता का समर्थन मिलने पर प्रदेश में बदलाव की नई शुरूआत होगी। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनके अधिकारों और समस्याओं की लड़ाई को मजबूती के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाजवादी पार्टी की नीतियों और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा कराए गए विकास कार्यों को गांव-गांव तक पहुंचाने की अपील की। साथ ही बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, अधिक से अधिक लोगों से संवाद स्थापित करने और पार्टी की नीतियों से जनता को अवगत कराने पर जोर दिया।जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पानी, रोजगार और अन्य स्थानीय समस्याओं से धनपति वर्मा को अवगत कराया। उन्होंने समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि समाजवादी कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझते हुए लगातार संघर्ष करते रहेंगे।

बाइक विवाद में घर में घुसकर मारपीट, पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। घुंघचिहाई थाना क्षेत्र के गांव जितौरिया टांडा में मोटरसाइकिल को लेकर हुए विवाद ने उस समय तूल पकड़ लिया, जब आरोपितों ने एक युवक के साथ गाली-गलौज करने के बाद उसके घर में घुसकर मारपीट कर दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने पांच नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना को लेकर गांव में चर्चा का माहौल है।गांव जितौरिया टांडा निवासी प्रवीन भारती पुत्र वासदेव भारती ने घुंघचिहाई पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 22 अगस्त 2026 की रात करीब साढ़े आठ बजे वह अपने घर पर मौजूद था। आरोप है कि इसी दौरान गांव के ही गुरवचन पुत्र रामदीन, राजपाल पुत्र रामदीन, रामआसरे पुत्र रामदीन, इन्द्रजीत पुत्र रामदीन और आशीष पुत्र गुरवचन मोटरसाइकिल को लेकर उसके घर पहुंचे और उसके साथ गाली-गलौज करने लगे।प्रवीन भारती का आरोप है कि उसने जब गाली-गलौज का विरोध किया तो सभी आरोपी आक्रोशित हो गए और जबरन उसके घर में घुस आए। इसके बाद आरोपितों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। अचानक हुए विवाद और मारपीट से पीड़ित के परिजनों में भी अफरातफरी मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर आने लगे। पीड़ित के मुताबिक, लोगों के एकत्र होने की आहट पाकर आरोपी मौके से भाग निकले। जाते समय आरोपितों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।पुलिस ने तहरीर के आधार पर गुरवचन, राजपाल, रामआसरे, इन्द्रजीत और आशीष के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

रक्षाबंधन पर पुलिसकर्मियों की कलाई पर सजा रक्षासूत्र

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर थाना परिसर में भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की अनूठी मिसाल देखने को मिली। एकल अभियान ग्राम संगठन महिला विभाग की बहनों ने थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह समेत पुलिसकर्मियों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनकी दीर्घायु और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पुलिसकर्मियों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनकी सुरक्षा का भरोसा दिलाया।कार्यक्रम के दौरान थाना परिसर में भाई-बहन के प्रेम और अपनत्व का भाव देखने को मिला। बहनों ने पुलिसकर्मियों की कलाई पर राखी बांधते हुए कहा कि पुलिसकर्मी दिन-रात समाज की सुरक्षा में जुटे रहते हैं।

वहीं थाना प्रभारी बच्चू सिंह ने बहनों को विश्वास दिलाया कि पुलिस उनकी सुरक्षा और सम्मान के लिए सदैव तत्पर है।थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने कहा कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने की परंपरा नहीं, बल्कि एक-दूसरे का संबल बनने और हर परिस्थिति में साथ खड़े रहने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि भाई-बहन के रिश्ते की नींव आपसी सम्मान, विश्वास और जिम्मेदारी पर टिकी होती है। इस अवसर पर महिला संगठन की सदस्यों और पुलिसकर्मियों ने आपसी सौहार्द, महिला सुरक्षा और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने समाज में आपसी विश्वास और भाईचारे को मजबूत करने तथा महिलाओं की सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

कबड्डी खिलाड़ी हत्याकांड: छठे आरोपी की निशानदेही पर तमंचा और दो कारतूस बरामद

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव नाला के निकट कबड्डी खिलाड़ी मोनू उर्फ गोलू हत्याकांड में पुलिस ने एक और आरोपी को आठ घंटे की रिमांड पर लेकर पूछताछ की। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने नाला के समीप ट्यूबवेल के नीचे दबाकर रखा गया तमंचा और दो कारतूस बरामद किए। बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर वापस जेल भेज दिया।बता दें कि बागपत जनपद के गांव ककड़ीपुर निवासी मोनू उर्फ गोलू की गत एक अगस्त की सुबह बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उसका शव गांव नाला के समीप ईंख के खेत में पड़ा मिला था। मृतक के पिता सुरेंद्र की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने कुछ ही समय में हत्याकांड का खुलासा करते हुए वारदात के पीछे प्रेम-प्रसंग का मामला बताया था। पुलिस इस मामले में अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। हत्याकांड का छठा आरोपी विशाल निवासी गांव सिसौली, जनपद मुजफ्फरनगर ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था। गुरुवार को पुलिस ने उसे आठ घंटे की रिमांड पर लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर नाला के समीप ट्यूबवेल के नीचे दबाकर रखा गया तमंचा और दो कारतूस बरामद किए गए। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को पुनः न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

गौशाला में अव्यवस्थाओं की शिकायत पर डिबाई एसडीएम ने मौके पर पहुंचे किया निरीक्षण

चार दिन से गोवंशों को चारा नहीं मिलने का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई। तहसील क्षेत्र के दानपुर ब्लॉक के गांव मोहम्मदपुर स्थित गौशाला में गोवंशों के साथ कथित लापरवाही और अव्यवस्थाओं की शिकायत पर डिबाई एसडीएम मौके पर पहुंचे। भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रपुत्र संगठन के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को शिकायती पत्र सौंपकर मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शिकायतकर्ता पं. गजेंद्र शर्मा के अनुसार गौशाला में करीब 350 गोवंश हैं। आरोप है कि गौशाला में गंदगी व्याप्त है और कई गोवंश घायल अवस्था में हैं। निरीक्षण के दौरान अलग-अलग स्थानों पर पांच गोवंश मृत अवस्था में पड़े मिले। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि मृत गोवंशों के शवों को जानवर और पक्षी नोच रहे थे। शिकायत में गौशाला कर्मियों के हवाले से यह भी आरोप लगाया गया है कि पिछले चार दिनों से गोवंशों को पर्याप्त चारा नहीं मिल रहा है। शिकायतकर्ता के अनुसार करीब 350 गोवंशों के लिए एक बार में पर्याप्त मात्रा में भूसा नहीं पहुंचता, जिसके कारण चारा जल्द खत्म हो जाता है और गोवंशों को लंबे समय तक भूखे रहना पड़ता है।

मामले की जानकारी मिलने पर एसडीएम डिबाई मौके पर पहुंचे। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि एसडीएम के पहुंचने पर गौशाला के केयरटेकर ने मुख्य गेट पर ताला लगा दिया और अधिकारियों को अंदर प्रवेश नहीं करने दिया। करीब 20 मिनट बाद गेट खोले जाने की बात कही गई।

रक्षाबंधन पर सुरक्षा व्यवस्था परखी, डीएम-एसएसपी ने किया पैदल गश्त

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। रक्षाबंधन पर्व को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए गुरुवार शाम जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने पुलिस अधिकारियों के साथ शहर में पैदल गश्त किया। शाम करीब छह बजे हाइडिल तिराहे से पैदल गश्त शुरू हुई। गश्त के दौरान अधिकारियों ने प्रमुख बाजारों, मार्गों और भीड़भाड़ वाले स्थानों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पैदल गश्त हाइडिल तिराहे से बैंक रोड, स्टेशन रोड होते हुए पेट्रोल पंप तक पहुंची। इसके बाद टीम वापस सिद्धार्थ चौक पहुंची, जहां गश्त समाप्त हुई। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद, क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान, उपजिलाधिकारी नौगढ़, सिद्धार्थनगर कोतवाली प्रभारी नवीन कुमार सिंह, जेल चौकी प्रभारी राहुल गुप्ता, नौगढ़ चौकी प्रभारी अशोक कुमार समेत सदर थाना की महिला व पुरूष पुलिसकर्मी मौजूद रहे।अधिकारियों ने त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजन को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के लिए पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नानौता में विजिलेंस टीम का विद्युत चेकिंग अभियान, बिजली चोरी करते पकड़े गए उपभोक्ताओं पर कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। नानौता कस्बे के मोहल्ला चाहमंजली में विजिलेंस टीम ने विद्युत चेकिंग अभियान चलाकर बिजली कनेक्शनों की सघन जांच की। अभियान के दौरान बिना कनेक्शन और अनियमित कनेक्शन के मामलों की जांच की गई। बिजली चोरी करते पाए गए उपभोक्ताओं के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश सतर्कता, पावर कॉरपोरेशन लखनऊ के आदेश पर तथा पुलिस अधीक्षक सतर्कता, शक्ति भवन लखनऊ, अपर पुलिस अधीक्षक डिस्कॉम मेरठ, पुलिस उपाधीक्षक सतर्कता सहारनपुर परिक्षेत्र और मुख्य अभियंता हेमराज सिंह के निर्देशन में यह अभियान चलाया गया। प्रभारी प्रवर्तन दल सहारनपुर उपनिरीक्षक रूपचंद सिंह के नेतृत्व में नरेंद्र कुमार, अवर अभियंता प्रवर्तन दल सहारनपुर तथा संजीव कुमार, अवर अभियंता नानौता टाउन की संयुक्त टीम ने थाना नानौता क्षेत्र के मोहल्ला चाहमंजली में घर-घर जाकर विद्युत कनेक्शनों की जांच की। अभियान के दौरान विद्युत चोरी करते पाए गए उपभोक्ताओं के खिलाफ थाना एंटी पावर थेफ्ट सहारनपुर में नियमानुसार अभियोग पंजीकृत कराने की कार्रवाई की जा रही है। टीम ने उपभोक्ताओं को बिजली के नियमों का पालन करने और वैध कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली का उपयोग करने की चेतावनी दी। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि बिजली चोरी कानूनन अपराध है। दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ जुमार्ने के साथ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से समय पर बिजली बिल जमा करने तथा बिना कनेक्शन या अवैध तरीके से बिजली का उपयोग नहीं करने की अपील की। विजिलेंस टीम ने स्पष्ट किया कि विद्युत चोरी और अनियमितताओं के खिलाफ इस तरह के चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

मेरठ-बदायूं हाईवे पर भीषण हादसा, ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

शिकारपुर। मेरठ-बदायूं हाईवे पर गांव वासौटी के पास गुरुवार को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार खखूड़ा गांव निवासी मोनू (35) पुत्र रतनपाल शिकारपुर से किसी काम से बाइक से अपने गांव लौट रहा था। जैसे ही वह गांव वासौटी के निकट हाईवे पर पहुंचा, तभी तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोनू की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। एसआई अमन कुमार ने पुलिस टीम के साथ घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर पुलिस ने मामले की जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

छात्राओं ने जिलाधिकारी को बांधी राखी, उपहार देकर किया सम्मानित

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर बुधवार को जिलाधिकारी कक्ष में विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन को राखी बांधकर भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का संदेश दिया। इस दौरान माहौल आत्मीय और उत्साहपूर्ण रहा। कार्यक्रम में माई छोटा स्कूल, सेंट जेवियर्स इंटर कॉलेज एवं शमराइस स्कूल की छात्राओं ने जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गौरव श्रीवास्तव तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार को राखी बांधी। छात्राओं ने अधिकारियों की कलाई पर राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं। जिलाधिकारी ने छात्राओं के इस स्नेह के लिए उनका आभार जताया। उन्होंने छात्राओं को उपहार भेंट कर रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र रिश्ते, स्नेह और सुरक्षा का प्रतीक है। इस दौरान छात्राओं में भी काफी उत्साह देखने को मिला। अधिकारियों ने छात्राओं से उनकी पढ़ाई और विद्यालय से जुड़ी गतिविधियों के बारे में जानकारी ली तथा मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम ने रक्षाबंधन के अवसर पर प्रशासन और छात्राओं के बीच आत्मीयता का संदेश दिया।

साइबर जागरूकता मिशन शक्ति के तहत किया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। स्याना के पुलिस क्षेत्राधिकारी रामकरन सिंह ने आम नागरिकों को वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक रहकर साइबर ठगी से बचाव के प्रभावी उपायों की जानकारी रखने का आह्वान किया है। सीओ ने फर्जी कॉल, फर्जी लिंक, ओटीपी एवं यूपीआई फ्रॉड, सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों तथा ऑनलाइन ठगी से बचाव के संबंध में नागरिकों को जागरूक रहने की आवश्यकता जताई है। कहा है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं तथा पूर्ण सतर्कता बरतें। मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक रहने तथा महिला हेल्पलाइन 1090, 181, आपातकालीन सेवा 112 एवं अन्य सहायता सेवाओं की सहायता लेने का आह्वान करते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार की समस्या अथवा उत्पीड़न की स्थिति में बिना संकोच पुलिस की सहायता अवश्य लें। कहा कि पुलिस प्रशासन छात्राओं की सुरक्षा, सम्मान एवं उज्ज्वल भविष्य के प्रति संवेदनशील है तथा छात्राएं सदैव निर्भीक एवं जागरूक रहकर पुलिस सहायता लें।

नारी शक्ति को सलाम: उत्कृष्ट योगदान पर 51 महिलाओं को मिला नारी गौरव सम्मान

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। समाज और राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं के सम्मान में बुधवार देर रात शहर के एक होटल में 'रक्षा सूत्र-नारी सम्मान समारोह-2026' का आयोजन किया गया।समारोह में चिकित्सा, शिक्षा, उद्यमिता, समाजसेवा, प्रशासन, न्याय, साहित्य, खेल और धार्मिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 51 महिलाओं को 'नारी गौरव सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर महिलाओं के चेहरे खिल उठे। नेहरू युवा केंद्र, भारत सरकार की सेवानिवृत्त उप निदेशक साधना श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित समारोह की मुख्य अतिथि जिलाधिकारी शिव शरणप्पा जीएन की पत्नी एवं आकांक्षा समिति की अध्यक्ष डॉ. तनुषा टीआर ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और कार्यक्षमता का परिचय दे रही हैं। सशक्त और आत्मनिर्भर महिलाएं ही मजबूत समाज की आधारशिला हैं।ऐसी प्रतिभाओं का सम्मान अन्य महिलाओं और बेटियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

विशिष्ट अतिथि उपजिलाधिकारी सदर रेणु मिश्रा ने कहा कि महिलाओं में असीम क्षमता है। दृढ़ संकल्प के साथ वे हर लक्ष्य हासिल कर सकती हैं। उप प्रभागीय वनाधिकारी वीना तिवारी ने महिलाओं से आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।महिला थाना प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पांडेय ने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और आत्मनिर्भर बनने की अपील की। समारोह में डॉ. ममता गुप्ता, डॉ. अनीता द्विवेदी, डॉ. अनु मोदी, डॉ. कवितांशु, शारदा रावत, नाज प्रवीन, सुशीला मिश्रा, अंजू श्रीवास्तव, सरिता गौतम, सीमा श्रीवास्तव, प्रीती, सुमन ओझा, मोनी वर्मा, मनोरमा पांडेय, रीना मिश्रा समेत 51 महिलाओं को सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण शुभम श्रीवास्तव ने दिया और संचालन पंकज सिद्धार्थ ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

बिस्कोहर चौकी प्रभारी अमित कुमार शाही को नन्हीं बच्चियों ने बांधी राखी, मिला सुरक्षा का वचन और उपहार

वेलकम इंडिया संवाददाता

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। भाई-बहन के पवित्र प्रेम और अटूट विश्वास के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व की धूम हर तरफ दिखाई दे रही है। इसी क्रम में रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर वृहस्पतिवार को बिस्कोहर कस्बा स्थित एक निजी विद्यालय में एक बेहद भावुक और गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय की छोटी-छोटी नन्हीं बच्चियों ने खाकी के प्रति अपना सम्मान और स्नेह प्रकट किया।कार्यक्रम के दौरान नन्हीं बच्चियों ने बिस्कोहर चौकी प्रभारी अमित कुमार शाही सहित वहां मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों की कलाई पर रक्षा सूत्र (राखी) बांधा।बच्चियों ने पुलिस अंकल को तिलक लगाकर आरती उतारी और उनके लंबे तथा सुरक्षित जीवन की मंगल कामना की। खाकी वर्दी पहने पुलिसकर्मियों की कलाई पर जब नन्हीं उंगलियों ने स्नेह का धागा बांधा, तो माहौल पूरी तरह से भावुक और आत्मीय हो गया। चौकी प्रभारी अमित कुमार शाही और अन्य पुलिसकर्मियों ने भी इस पावन अवसर पर भाई का फर्ज निभाते हुए सभी बच्चियों को सदैव सुरक्षा और सम्मान देने का दृढ़ वचन दिया। पुलिसकर्मियों ने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें भविष्य में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और आशीर्वाद स्वरूप सभी बच्चियों को सुंदर उपहार भेंट किए।पुलिस और समाज के बीच की दूरी को कम करने वाले इस अनूठे व स्नेहपूर्ण आयोजन की पूरे कस्बे में सराहना हो रही है। इस दौरान विद्यालय का स्टाफ और स्थानीय प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन: भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का पर्व

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रयागराज। रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का पावन पर्व है। इस दिन बहन भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसकी सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना करती है, वहीं भाई बहन की रक्षा और हर सुख-दुख में साथ देने का संकल्प लेता है। ज्योतिषाचार्य कावेरी मुकरजी के अनुसार वर्ष 2026 में रक्षाबंधन 28 अगस्त, शुक्रवार को मनाया जाएगा। राखी बांधने का शुभ समय सुबह 5:57 बजे से 9:48 बजे तक रहेगा। यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, सम्मान और अपनापन बढ़ाने का संदेश देता है।

वाराणसी में ब्यूटी प्रोफेशनल्स को आधुनिक त्वचा देखभाल और सुगंध चिकित्सा की जानकारी

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। सौंदर्य एवं स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलावों और आधुनिक तकनीकों से ब्यूटी प्रोफेशनल्स को अवगत कराने के उद्देश्य से ब्लॉसम कोच्चर अरोमा मैजिक की ओर से कैंटोनमेंट स्थित एक होटल में विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉसम कोच्चर ग्रुप ऑफ कंपनीज की संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. ब्लॉसम कोच्चर ने बड़ी संख्या में ब्यूटी पार्लर संचालकों, सैलून प्रोफेशनल्स और सौंदर्य उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों से संवाद किया। सेमिनार में ब्यूटी एवं वेलनेस उद्योग में तेजी से आ रहे बदलावों, ग्राहकों की बदलती जरूरतों, आधुनिक त्वचा देखभाल, सुगंध चिकित्सा और पेशेवर सौंदर्य सेवाओं को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। डॉ. ब्लॉसम कोच्चर ने अपने लंबे अनुभव साझा करते हुए बताया कि सही उत्पाद और विशेषज्ञ जानकारी के माध्यम से ब्यूटी प्रोफेशनल्स अपने ग्राहकों को अधिक प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान सिग्नेचर एसेंशियल ऑयल्स की नई श्रृंखला और सैलून प्रोफेशनल्स के लिए तैयार किए गए नवीनतम पेशेवर फेशियल उत्पादों एवं सेवाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को उत्पादों की विशेषताओं, उनके उचित उपयोग और त्वचा की अलग-अलग आवश्यकताओं के अनुसार उनके इस्तेमाल की जानकारी दी गई।

सेमिनार में शामिल ब्यूटी पार्लर संचालकों और सैलून प्रोफेशनल्स ने कार्यक्रम को उपयोगी बताया। उन्हें आधुनिक सौंदर्य उपचार, त्वचा देखभाल और उत्पादों के प्रभावी उपयोग से जुड़ी नई जानकारी मिली। प्रतिभागियों का कहना था कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम उनके कौशल को निखारने के साथ ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने में भी सहायक होते हैं। कार्यक्रम के संवादात्मक सत्र में ब्यूटी प्रोफेशनल्स ने अपने अनुभव साझा किए और त्वचा देखभाल, उत्पादों तथा पेशेवर सेवाओं से जुड़े सवाल पूछे। विशेषज्ञों ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए दैनिक कार्य में आधुनिक तकनीकों और नए त्वचा देखभाल समाधानों को अपनाने के सुझाव दिए। वाराणसी में आयोजित यह सेमिनार केवल नए उत्पादों की जानकारी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ब्यूटी प्रोफेशनल्स के कौशल विकास, गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और बदलती ग्राहक आवश्यकताओं को समझने पर भी केंद्रित रहा। आयोजकों के अनुसार, ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से सौंदर्य क्षेत्र से जुड़े लोगों को नई तकनीकों और आधुनिक समाधानों से जोड़ने का प्रयास आगे भी जारी रहेगा।

भारत विकास परिषद आस्था ने सैनिक भाइयों के साथ मनाया रक्षाबंधन, बांधा रक्षा सूत्र

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व भारत विकास परिषद आस्था शाखा ने इस वर्ष देश की सुरक्षा में तैनात सैनिक भाइयों के साथ आत्मीय वातावरण में मनाया। 27 अगस्त 2026 को कैंटोनमेंट स्थित 39 जीटीसी में शाखा की बहनों ने सैनिक भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके स्वस्थ, दीर्घायु, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान बहनों ने सैनिक भाइयों को अपना भाई मानते हुए पूरे स्नेह और सम्मान के साथ रक्षासूत्र बांधा। इस दौरान वातावरण भावुक और आत्मीय हो गया। सैनिकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए शाखा की बहनों ने कहा कि देश की रक्षा के लिए जवान अपने परिवार और व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं से दूर रहकर दिन-रात राष्ट्र सेवा में जुटे रहते हैं। ऐसे वीर जवानों के साथ रक्षाबंधन मनाना गौरव और सौभाग्य की बात है। भारत विकास परिषद आस्था की ओर से कहा गया कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक एकता का संदेश भी देता है। देश की रक्षा में तैनात सैनिकों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर बहनों ने उनके प्रति स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कामना की कि सभी सैनिक भाई सदैव स्वस्थ और दीर्घायु रहें तथा इसी तरह राष्ट्र की सेवा करते रहें। कार्यक्रम में सैनिक भाइयों ने भी बहनों के स्नेह, सम्मान और आत्मीयता के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि घर से दूर रहते हुए रक्षाबंधन जैसे पर्व पर बहनों का स्नेह और अपनापन उन्हें परिवार की कमी महसूस नहीं होने देता। इस तरह के आयोजन सैनिकों और समाज के बीच भावनात्मक जुड़ाव को और मजबूत करते हैं। भारत विकास परिषद आस्था शाखा के इस आयोजन ने राष्ट्र सेवा, भाईचारे, सामाजिक समरसता और नारी स्नेह का संदेश दिया। बहनों ने कहा कि देश की रक्षा करने वाले वीर जवानों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। रक्षाबंधन पर सैनिक भाइयों की कलाई पर बांधा गया प्रत्येक रक्षा सूत्र उनके राष्ट्र के प्रति समर्पण के सम्मान का प्रतीक है। इस अवसर पर भारत विकास परिषद आस्था शाखा की बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सैनिक भाइयों के साथ रक्षाबंधन मनाते हुए उनके स्वस्थ, सुरक्षित और सुखमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम में सरिता विश्वकर्मा, अनीता यादव, साधना सिंह, मीना सिंह, सुधा यादव और रितु तिवारी सहित अन्य बहनें शामिल रहीं।

32 वी राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की रिसोर्स टीचर्स की जनपदीय कार्यशाला का सफल आयोजन

बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करें शिक्षक: डॉ एस सी अग्रवाल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारत सरकार के उपक्रम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत 32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026 की रिसोर्स टीचर्स की जनपद की कार्यशाला का आयोजन ऐतिहासिक नगरी मोदीनगर के प्रतिष्ठित विद्यालय डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में सफलतापूर्वक किया गया।

बच्चों में विज्ञान में नवाचार के प्रति रुचि पैदा करने में शिक्षकों का योगदान विषय पर राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के जिला समन्वयक और विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने जनपद के विभिन्न यूपी बोर्ड और सीबीएसई विद्यालयों से आए शिक्षक व शिक्षिकाओं का कार्यशाला में स्वागत किया। कार्यशाला में सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ की प्रोफेसर और राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की राज्य एकेडमी कोऑर्डिनेटर डॉ निशा राणा और बीआई टी इंजीनियरिंग कॉलेज मेरठ की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर सरिता ने राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में बच्चों का रजिस्ट्रेशन कैसे करें इसके विषय में विस्तार से बताया। इस कार्यशाला में लगभग 60 शिक्षक व शिक्षकाओं को मार्गदर्शन करते हुए यह बताया कि इस लघु शोध में अधिक से अधिक बल विज्ञानियों को प्रतिभाग कराना सुनिश्चित करें क्योंकि यह एक बच्चों में वैज्ञानिक जागरूकता पैदा करने के लिए एक सर्वश्रेष्ठ प्लेटफार्म है। इस वर्ष प्रोजेक्ट प्रदर्शन का मुख्य विषय है। स्थिरता के लिए विज्ञान और नवाचार जिसमें पांच अप विषय एवं संबंधित परियोजनाएं भी शामिल है। जिला समन्वक एस सी अग्रवाल ने बताया कि इस प्रोजेक्ट प्रदर्शन में कोई मॉडल नहीं बनाना है। प्रतिभाग करने के लिए सर्वप्रथम विद्यालय का रजिस्ट्रेशन कर विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन करना है इसमें विद्यालय के राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के जनपदीय एकेडमी कोऑर्डिनेटर राजीव वर्मा डॉक्टर नीतू अजय कुमार राम गोपाल कसाना श्रीमती ममता गिरी मयंक कुमार सीबीएसई स्कूल गाजियाबाद की नोडल कोऑर्डिनेटर श्रीमंती अंशु खन्ना और अन्य सभी विद्यालयों की शिक्षक व शिक्षिकाऐं उपस्थित थे।कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले सभी शिक्षक व शिक्षिकाओं को जनपद विज्ञान संचारक सम्मान से सम्मानित किया गया।

गन्ना भुगतान को पूर्ण कराने में शासन-जिला प्रशासन एवं समस्त किसान भाइयों का सहयोग करने पर किया धन्यवाद

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोदी शुगर मिल के महाप्रबंधक पीआर डी डी कौशिक ने बताया कि मोदी शुगर मिल द्वारा विगत पेराई सत्र 2025-26 में 75.28 लाख कुन्तल गन्ने की खरीद की गयी थी। जिसका कुल गन्ना मूल्य 297.27 करोड़ रुपए था। गन्ना मूल्य का समस्त भुगतान कर दिया गया है। पेराई सत्र में मिल प्रबंधन द्वारा शासन-प्रशासन एवं किसानों से यह वादा किया गया था कि आगामी पेराई सत्र 2026-27 प्रारम्भ होने से पूर्व ही कर समसत गन्ना मूल्य का भुगतान कर दिया जायेगा। कुछ बाहरी एवं ग्रुप की कुछ आंतरिक कारणो से पिछले कुछ विगत वर्षों में भुगतान में देरी हुई है। परन्तु गन्ना किसानों के विश्वास एवं शासन-प्रशासन के सहयोग से भुगतान की समस्या का समाधान हो गया है। डी डी कौशिक ने कहा कि आगामी पेराई सत्र 2026-27 में मोदी शुगर मिल द्वारा किसानों का गन्ना मूल्य का भुगतान समय पर होता रहने कर पूर्ण संम्भावना है। वेदपाल सिंह मलिक, अध्यासी द्वारा आग्रह किया गया कि किसान भाई अपने गन्ने की आपूर्ति अधिक से अधिक अपनी मोदी शुगर मिल को ही करें। जिन किसान भाईयो के पास सट्टे से अधिक गन्ना है वे किसान अपना अतिरिक्त सट्टा करा लें। मोदी शुगर मिल को पेराई सत्र 2026-27 में लगभग 100 लाख कुन्तल गन्ने की पेराई वास्ते लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अतः किसान भाई अपने गन्ने की देखभाल करते रहे खड़े गन्ने को गिरने से बचाने के लिए गन्ने की बन्धाई अवश्य कराये। गन्ने में कोई भी रोग के लक्षण दिखाई दे तो तुरंत गन्ना विभाग में सम्पर्क करे।मिल प्रबंधन की ओर से डी०डी० कौशिक, महाप्रबंधक (पी०आर०) ने शासन-जिला प्रशासन एवं समस्त किसान भाईयो द्वारा भुगतान को पूर्ण कराने में सहयोग करने पर उनका धन्यवाद किया तथा आशा की कि पूर्व की भाँति सभी लोग मिल को साकारत्मक सहयोग प्रदान करते रहेगें।

अवैध अतिक्रमण हटाए जाने को लेकर ज्ञापन सोंपा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। पुरुषार्थ कांतिकारी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र कौशिक ने मुख्यमंत्री के नाम में एक ज्ञापन तहसीलदार को सोंपा और मुख्य मार्ग सिखैड़ा रोड पर अवैध अतिक्रमण को हटाए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि कई बार अवैध अतिक्रमण को हटाने को लेकर वह आंदोलन कर चुके हैं,लेकिन प्रशासन द्वारा अवैध अतिक्रमण नहीं हटाया गया है राजेंद्र कौशिक ने ज्ञापन में कहा है कि वह तीन बार अवैध अतिक्रमण हटाए जाने को लेकर अनशन व आमरण अनशन कर चुके हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा आश्वासन के अलावा अभी तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया है उन्होंने कहा है कि अगर प्रशासन द्वारा अवैध अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो वह पुनः 10 सितंबर से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन प्रारंभ कर देंगे।

एम.एम. कॉलेज, मोदीनगर में राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर 'युवा कनेक्ट' कार्यक्रम का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर मुल्तानीमल मोदी कॉलेज, मोदीनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना, मेरा युवा भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 'युवा कनेक्ट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेल, फिटनेस, अनुशासन एवं राष्ट्र निर्माण से जोड़ना तथा खेल क्षेत्र में भारत की प्रगति के संबंध में युवाओं के विचारों एवं आकांक्षाओं को मंच प्रदान करना था।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। संबोधन में खेल, फिटनेस, अनुशासन तथा युवाओं की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। संबोधन के पश्चात अगले चरण में Yuva Connect कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रेरणादायी स्थानीय खेल प्रतिभाओं जितिका (हॉकी) संस्कृति बाना (शूटिंग) तथा दीपांशु शर्मा (भाला फेंक) ने युवाओं के साथ अपने अनुभव एवं विचार साझा किए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू सिवाच, महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. वंदना शर्मा,आदर्श पोरवाल ने भी युवाओं को संबोधित करते हुए फिटनेस को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा नियमित शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। मंच संचालन लक्ष्य कौशिक एवं विदुषी राठी ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में एन एस एस प्रोग्राम आफिसर डॉ. अमर सिंह कश्यप, डॉ कोमल गुप्ता, डॉ. रविंद्र कुमार एवं डॉ. राजकुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम में ठरर एवं MY Bharat स्वयंसेवकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रॉक्टर बोर्ड के सदस्यों ने भी अनुशासन निष्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी, महाविद्यालय के शिक्षक,लक्ष्य, मनन,अवनी, अंकित, मुकुल, निखिल,तुषार वंश, नंदनी, आँचल, गुनगुन, दीपा, अंशिका सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे और कार्यक्रम की विभिन्न व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

रक्षाबंधन से पहले सड़कों पर वाहनों का दबाव, लालकुआं से डासना तक लगा जाम

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। रक्षाबंधन से एक दिन पहले शुक्रवार को वाहनों का दबाव बढ़ने से गाजियाबाद की प्रमुख सड़कों पर यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे, लालकुआं और एनएच-नौ पर कई स्थानों पर वाहन जाम में फंसे रहे। लालकुआं पर वाहनों की लंबी कतार लगी रही, जबकि एनएच-नौ पर भी यातायात की रफ्तार बेहद धीमी रही। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर लालकुआं से डासना तक वाहनों की लंबी कतार रही। डासना के पास एक्सप्रेसवे के प्रवेश बिंदु पर हापुड़ जाने वाली लेन में वाहनों का दबाव बढ़ने से जाम की स्थिति बनी। एबीईएस कॉलेज के पास भी वाहन चालक जाम से जूझते रहे। कई स्थानों पर 15 मिनट का सफर तय करने में लोगों को करीब एक घंटे तक का समय लगा। लालकुआं पर दबाव बढ़ने के बाद कुछ वाहन चालकों ने बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र का रुख किया, लेकिन वहां भी उन्हें जाम का सामना करना पड़ा। बम्हेटा अंडरपास को बृहस्पतिवार को जलभराव के कारण बंद कर दिया गया था। वहीं, औद्योगिक क्षेत्र की सड़क से एनएच-नौ की सर्विस लेन को चौड़ा करने का काम चल रहा है। इसके चलते औद्योगिक क्षेत्र से एनएच-नौ जाने वाले वाहन चालकों को लालकुआं की ओर जाना पड़ा और वहां जाम में फंसना पड़ा। जीटी रोड से लालकुआं के बीच भी भाटिया मोड़ के बाद जाम की स्थिति रही। जीटी रोड के किनारे मलबा पड़े होने से यातायात प्रभावित हुआ। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर दोपहिया वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध के बावजूद शुक्रवार को कई दोपहिया वाहन चलते दिखाई दिए। कुछ स्थानों पर दोपहिया वाहन विपरीत दिशा में भी चलते नजर आए, जिससे हादसे का खतरा बढ़ गया। रक्षाबंधन पर बढ़ने वाले यातायात दबाव को देखते हुए यातायात पुलिस ने 26 से 28 अगस्त तक भारी वाहनों के लिए डायवर्जन लागू किया है। भारी वाहनों को दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे की ओर भेजा जा रहा है, जबकि एनएच-नौ पर इनके संचालन पर प्रतिबंध है।

ट्रिनिटी पब्लिक स्कूल में वृक्ष बंधन समारोह उत्साह के साथ मनाया,प्रकृति संरक्षण का संकल्प

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ट्रिनिटी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल अबूपुर, मुरादनगर में एनवायरनमेंट क्लब, गाजियाबाद के साथ वृक्षा बंधन समारोह बड़े हर्ष,उल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने प्रकृति के प्रति अपने प्रेम और जिम्मेदारी को व्यक्त करते हुए वृक्षों को रक्षा-सूत्र बाँधकर उनके संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. संदीप रोहिला , प्रबंधिका श्रीमती रितु गोयल एवं प्रधानाचार्या रूपल रस्तोगी, श्रीमती शिखा गोयल तथा डायरेक्टर आलोक शर्मा तथा सावन कनौजिया, (फाउन्डर, एनवायरनमेंट क्लब, गाजियाबाद) ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उन्होंने विद्यार्थियों एवं समस्त विद्यालय परिवार को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए 'एक पेड़ भविष्य के नाम' लगाने का संकल्प लिया। सभी ने वृक्षों पर राखी बांधी तथा लोगों को यह संदेश दिया कि रक्षाबंधन केवल भाई बहन के रिश्ते का ही नहीं बल्कि पेड़ पौधों के साथ भी रक्षा का बंधन है। इनको भी एक धागा रक्षा का बांधो ,क्योंकि यह हमारे जीवन के सबसे बड़े रक्षक है। विद्यालय प्रबंधन ने संदेश दिया कि वृक्ष केवल प्रकृति की सुंदरता ही नहीं, बल्कि हमारे जीवन का आधार हैं। अतः प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम ने सभी के मन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति नई ऊर्जा और जिम्मेदारी की भावना जागृत की।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर राखी बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर महिला पंजाबी संगठन एवं लायंस क्लब मोदीनगर उड़ान इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वावधान में विवेक इंटर कॉलेज, सारा रोड में राखी बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता एवं कला का सुंदर प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगों, सजावटी सामग्रियों एवं आकर्षक डिजाइनों से सुंदर-सुंदर राखियां तैयार कीं। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर महिला पंजाबी संगठन की अध्यक्ष डॉ. शालिनी नय्यर के साथ हर्षिता चौधरी, डॉ प्रीति शर्मा, अंजलि अरोड़ा, रोजी आनंद एवं विवेक इंटर कॉलेज का स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

ग्रेटर नोएडा में जुटेगा एमएसएमई का महाकुंभ, 1000 से अधिक उद्यमी करेंगे मंथन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। देश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों का बड़ा जमावड़ा एक सितंबर को ग्रेटर नोएडा में देखने को मिलेगा। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) की 35वीं वार्षिक आम सभा एवं एमएसएमई पुरस्कार-2026 समारोह का आयोजन ग्रेटर नोएडा स्थित द वेडिंग्स डॉट में किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन में देशभर से 1000 से अधिक एमएसएमई उद्यमियों के शामिल होने की संभावना है। आईआईए गाजियाबाद चैप्टर की ओर से भी करीब 100 से 150 पदाधिकारी एवं उद्यमी समारोह में हिस्सा लेंगे। आयोजन के मुख्य अतिथि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह होंगे। कार्यक्रम में वार्षिक आम सभा के साथ उद्योग प्रतिनिधियों के साथ खुला संवाद, मेल-मिलाप, तकनीकी सत्र, नेटवर्किंग और एमएसएमई पुरस्कार समारोह प्रमुख आकर्षण रहेंगे। इस वर्ष आयोजन की थीम 'एमएसएमई विकास, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और विकसित भारत-2047' रखी गई है। आयोजकों का कहना है कि बदलते वैश्विक कारोबारी माहौल में भारतीय एमएसएमई को नई तकनीक, बेहतर उत्पादकता और मजबूत बाजार व्यवस्था के साथ आगे बढ़ाना जरूरी है।

आई.टी.एस. में गूंजे गिप्पी-शहनाज के गीत, 3 हजार छात्रों ने बनाया यादगार समापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आई.टी.एस. मोहन नगर में ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2026 का गुरुवार को समापन दिवस विद्यार्थियों के लिए उस समय बेहद खास और यादगार बन गया, जब लोकप्रिय अभिनेता गिप्पी ग्रेवाल और अभिनेत्री शहनाज गिल ने संस्थान परिसर में पहुंचकर युवाओं से सीधे संवाद किया। दोनों कलाकारों के आगमन की खबर मिलते ही परिसर में उत्साह का माहौल बन गया। करीब 3,000 विद्यार्थियों की मौजूदगी में आयोजित विशेष कार्यक्रम में तालियों, नारों और संगीत की गूंज से पूरा कैंपस जीवंत हो उठा। विद्यार्थियों ने अपने पसंदीदा कलाकारों का बेहद गर्मजोशी के साथ स्वागत किया और मंच पर उनकी एक झलक पाने के लिए खासा उत्साहित नजर आए। गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल के आई.टी.एस. मोहन नगर पहुंचने पर आई.टी.एस. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा, आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा, आई.टी.एस. स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के डायरेक्टर डॉ. अजय कुमार, इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस के मैनेजमेंट एवं आई.टी. डायरेक्टर डॉ. सुनील कुमार पांडेय तथा आई.टी.एस. यूजी कैंपस की वाइस प्रिंसिपल डॉ. नैन्सी शर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके बाद कलाकारों के लिए परिसर में विशेष स्टेज शो आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। मंच पर पहुंचते ही गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल का विद्यार्थियों ने जोरदार तालियों और नारों के साथ स्वागत किया। कलाकारों ने भी विद्यार्थियों के उत्साह का जवाब बेहद सहज और आत्मीय अंदाज में दिया। बातचीत के दौरान दोनों ने फिल्म उद्योग में अपने अनुभवों, अभिनय के सफर और मनोरंजन की दुनिया से जुड़े कई पहलुओं को विद्यार्थियों के साथ साझा किया। उन्होंने युवा दर्शकों से संवाद करते हुए बताया कि फिल्म जगत में सफलता के लिए मेहनत, निरंतरता और अपने काम के प्रति जुनून बेहद जरूरी है। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक हिस्सा दोनों कलाकारों की लाइव प्रस्तुति रही। गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल ने अपनी आगामी फिल्म 'सिंह वर्सेज कौर 2' से जुड़े दो-तीन गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। जैसे ही संगीत की धुनें शुरू हुईं, विद्यार्थियों का उत्साह चरम पर पहुंच गया। हजारों विद्यार्थियों ने तालियों और नारों के साथ कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। लाइव परफॉर्मेंस के दौरान पूरा परिसर संगीत और उमंग से भर गया तथा विद्यार्थियों ने इस खास पल को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया। कार्यक्रम के दौरान 'सिंह वर्सेज कौर 2' को लेकर विद्यार्थियों में विशेष उत्सुकता देखने को मिली। फिल्म से जुड़े अनुभव साझा करते हुए कलाकारों ने विद्यार्थियों को फिल्म के बारे में जानकारी दी और फिल्म के प्रति अपना प्यार एवं समर्थन बनाए रखने की अपील की। विद्यार्थियों ने भी फिल्म को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। फिल्म के गीतों पर विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया ने कार्यक्रम के माहौल को और भी खास बना दिया। गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल ने विद्यार्थियों की भारी संख्या में मौजूदगी और उनके उत्साह की सराहना की। कलाकारों ने कहा कि युवाओं के बीच जाकर उनसे बातचीत करना और उनके साथ अपनी फिल्मों से जुड़े अनुभव साझा करना हमेशा खास अनुभव होता है।

मधुबन बापूधाम में छह एकड़ में बनेगा आनंद वाटिका पार्क

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मधुबन बापूधाम आवासीय योजना में रहने वाले लोगों को जल्द ही मनोरंजन, खेलकूद और सुकून के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त सार्वजनिक स्थल मिलेगा। जीडीए करीब छह एकड़ क्षेत्र में आनंद वाटिका पार्क विकसित करेगा। पार्क के विकास कार्य का शुभारंभ अधिशासी अभियंता एवं प्रभारी मधुबन बापूधाम योगेश पटेल ने किया। आनंद वाटिका में लोगों की अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्पोर्ट्स जोन, फूड जोन, वॉकिंग ट्रैक, मेडिटेशन सेंटर और स्केटिंग एरिया विकसित किए जाएंगे। पार्क में लोगों के टहलने के लिए बेहतर पाथवे के साथ बैठने की व्यवस्था भी होगी। पार्क का एक प्रमुख आकर्षण गगनचुंबी राष्ट्रध्वज होगा। इसके अलावा प्रकाश व्यवस्था समेत अन्य जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। जीडीए के अनुसार पार्क के विकास कार्य को करीब एक वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य है। पार्क की डिजाइनिंग में पर्यावरण संरक्षण का भी विशेष ध्यान रखा गया है। बाउंड्रीवाल के निर्माण के दौरान पार्क क्षेत्र में पहले से मौजूद पेड़-पौधों को नहीं काटा जाएगा। इसके अलावा नए पौधे भी लगाए जाएंगे। इससे क्षेत्र में हरियाली बढ़ने के साथ लोगों को स्वच्छ और प्राकृतिक वातावरण मिलेगा। जीडीए उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने बताया कि मधुबन बापूधाम को तेजी से विकसित किया जा रहा है, ताकि यहां रहने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

रक्षाबंधन पर अफसरों की कलाई पर सजा स्नेह का धागा, दिव्यांग बच्चों के चेहरे पर खिली मुस्कान

जिलाधिकारी, पुलिस कमिश्नर और सीडीओ ने दिव्यांग बच्चों संग मनाया रक्षाबंधन

जिला अधिकारी

पुलिस कमिश्नर

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जिले में प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने दिव्यांग बच्चों के साथ पर्व मनाकर संवेदनशीलता और सामाजिक समरसता की मिसाल पेश की। कलेक्ट्रेट में सरस्वती शिशु मंदिर, नेहरू नगर तथा भागीरथी सेवा संस्थान द्वारा संचालित भागीरथ स्पेशल स्कूल की छात्राओं ने जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ को राखी बांधी। जिलाधिकारी ने छात्राओं का स्नेहपूर्वक स्वागत करते हुए उन्हें उपहार भेंट किए और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पुलिस कमिश्नर ने दिव्यांग बच्चों से बंधवाई राखी

पुलिस कमिश्नर जे. रविन्द्र गौड़ ने भी दिव्यांग बच्चों से राखी बंधवाकर रक्षाबंधन को यादगार बनाया। बच्चों ने राखी बांधकर उनसे सुरक्षा और संरक्षण का भरोसा लिया। पुलिस कमिश्नर ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें स्नेह और विश्वास का संदेश दिया।

सीडीओ सौरभ कुमार

सीडीओ को राखी बांधकर साझा की खुशियां

भागीरथ स्पेशल स्कूल के दिव्यांग बच्चों ने विकास भवन पहुंचकर मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ को राखी बांधी। छात्राओं ने टीका कर मिठाई खिलाई और अपने हाथों से बनाए हैंडक्राफ्ट भी भेंट किए। सीडीओ ने बच्चों को उपहार देकर उनका मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम ने समाज में समान अवसर, सम्मान, अपनत्व और समावेशिता का मजबूत संदेश दिया।

राखी के साथ सुरक्षा का भरोसा: छात्राओं को प्रियाश्री पाल ने बांधी राखी, ऑपरेशन डीकॉय में कसा सुरक्षा घेरा

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर वेव सिटी की सहायक पुलिस आयुक्त श्रीमती प्रियाश्री पाल ने थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस एवं मिशन शक्ति केंद्र टीम के साथ स्कूल में छात्राओं को राखी बांधकर सुरक्षा और सम्मान का संदेश दिया। इस दौरान छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने तथा किसी भी परेशानी की स्थिति में पुलिस की मदद लेने के लिए जागरूक किया गया। रक्षाबंधन के अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं से संवाद कर उन्हें महिला एवं बालिका सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसके बाद क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में ऑपरेशन डीकॉय के तहत बस स्टैंड और मार्केट एरिया में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। पुलिस टीम ने सार्वजनिक स्थानों पर आमजन एवं महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान बस स्टैंड और मार्केट में मिले बच्चों को पुलिस टीम ने चॉकलेट भी वितरित की। रक्षाबंधन पर पुलिस के इस अभियान में सुरक्षा के साथ संवेदनशीलता का संदेश भी देखने को मिला।

दिव्यांग ठेली संचालक की पिटाई का आरोप, दरोगा निलंबित

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। पुराना बस अड्डा क्षेत्र में एक दिव्यांग ठेली संचालक को चौकी पर बुलाकर बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर अधिकारियों ने मामले की जांच कराई। प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने के बाद डीसीपी सिटी ने हल्का प्रभारी एसआई अंशु कुमार को निलंबित कर दिया। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। मालीवाड़ा निवासी विकास तिवारी ने अधिकारियों को दी शिकायत में बताया कि वह ठेली लगाकर अंडे बेचते थे। पुलिस ने उन्हें चौकी पर बुलाकर अंडे बेचने से मना किया था। पुलिस के कहने पर उन्होंने अंडों की बिक्री बंद कर दी। विकास का आरोप है कि इसके बावजूद उन्हें दोबारा चौकी पर बुलाया गया और वहां उनके साथ मारपीट की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि हल्का प्रभारी एसआई अंशु कुमार ने उनकी दिव्यांगता का भी ध्यान नहीं रखा और उनके साथ बर्बरता से मारपीट की।

शालीमार गार्डन में अवैध निर्माण पर जीडीए का बुलडोजर, विरोध के बीच कार्रवाई जारी

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अनधिकृत कालोनियों के खिलाफ अभियान तेज करते हुए बुधवार को शालीमार गार्डन क्षेत्र में एक अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई उपाध्यक्ष के निदेर्शों के अनुपालन में की गई।

प्राधिकरण के अनुसार, 27 अगस्त 2026 को प्रभारी प्रवर्तन जोन-08 के नेतृत्व में भूखण्ड संख्या ए-126, शालीमार गार्डन मेन पर बिना मानचित्र स्वीकृत कराए किए जा रहे निर्माण के विरुद्ध उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की सुसंगत धाराओं के तहत ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान निर्माणकर्ता ने विरोध भी किया, लेकिन मौके पर मौजूद प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित कर ध्वस्तीकरण अभियान जारी रखा। इस दौरान प्रवर्तन जोन-08 का स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। जीडीए ने स्पष्ट किया है कि अवैध निमार्णों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और आगामी माह में ध्वस्तीकरण व सीलिंग की कार्रवाई को और तेज किया जाएगा।

जल जीवन मिशन में तेजी के निर्देश, डीएम बोले-हर गांव में निर्बाध पहुंचे स्वच्छ पानी

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने जल जीवन मिशन के तहत जनपद में निमार्णाधीन पाइप पेयजल योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शेष कार्य तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्वक पूरा कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी कारण से ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। कलेक्ट्रेट के महात्मा गांधी सभागार में हुई बैठक में बताया गया कि जनपद में कुल 128 पाइप पेयजल योजनाएं स्वीकृत हैं। इनमें से 60 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं और गांवों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है, जबकि 68 योजनाओं का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

वहीं 34 योजनाओं में ट्यूबवेल के माध्यम से आंशिक जलापूर्ति की जा रही है। डीएम ने पूर्ण योजनाओं की नियमित निगरानी, सड़क पुनर्स्थापन कार्यों की गुणवत्ता जांचने और कमियां मिलने पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ समेत जल निगम के अधिकारी और संबंधित फर्मों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

रक्षाबंधन से पहले मिशन शक्ति को मिली रफ्तार, महिला सुरक्षा के लिए 11 वाहन रवाना

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन पर्व से पहले महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को नई मजबूती देते हुए पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद ने मिशन शक्ति केन्द्रों के लिए 11 समर्पित चार पहिया वाहन शुरू किए हैं। रिजर्व पुलिस लाइन से अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय एवं अपराध केशव कुमार चौधरी ने गुरुवार को हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया।

इन वाहनों के जरिए मिशन शक्ति की टीमें अब दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों तक तेजी से पहुंच सकेंगी। महिला संबंधी शिकायतों पर तत्काल मौके पर पहुंचकर सहायता और आवश्यक कार्रवाई करने के साथ ही स्कूल-कॉलेजों, बाजारों, कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह पहल केवल शिकायत मिलने पर प्रतिक्रिया देने तक सीमित नहीं होगी, बल्कि महिलाओं और बालिकाओं तक सक्रिय रूप से पुलिस सहायता पहुंचाने की व्यवस्था को मजबूत करेगी। टीमें महिला सुरक्षा, हेल्पलाइन, साइबर सुरक्षा, अधिकारों और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के प्रति भी जागरूक करेंगी। पुलिस कमिश्नरेट का कहना है कि 11 नए वाहनों से मिशन शक्ति केन्द्रों की कार्यप्रणाली अधिक गतिशील, सुलभ और प्रभावी बनेगी तथा महिला सुरक्षा को जमीनी स्तर पर नया आयाम मिलेगा।

गौकशी मामले में बड़ी बरामदगी, मुख्य आरोपी की निशानदेही पर मिले हथियारनुमा औजार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने गौकशी के मामले में मुख्य अभियुक्त गुलफाम को पीसीआर पर लेकर उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस ने रेलवे लाइन के किनारे बंद फाटक के पास से लकड़ी का गोलाकार गुटका, लोहे का बड़ा व छोटा दांव, दो छुरे, लोहे का लंबा सुआ, रस्सी, काली पॉलीथीन के दो पैकेट और इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार 3 अगस्त को गौकशी की सूचना मिलने पर उत्तर प्रदेश गौवध निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

मुख्य आरोपी गुलफाम ने पुलिस की दबिश के बाद बागपत न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था। पुलिस ने उसे पीसीआर पर लेकर घटनास्थल क्षेत्र में निशानदेही कराई और उपकरण बरामद किए। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है।

ड्यूटी से बढ़कर इंसानियत: गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस की तत्परता से बची जान

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। शास्त्री नगर चौराहे पर ड्यूटी के दौरान यातायात पुलिस के दो जवानों ने तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए हृदयाघात के कारण सड़क पर बेहोश होकर गिरे एक व्यक्ति की जान बचा ली।

समय रहते सीपीआर देने से पीड़ित की सांसें सुचारू हो सकीं। घटना गुरुवार सुबह करीब 9:15 बजे की है। चौराहे पर तैनात मुख्य आरक्षी निरंजन सिंह और आरक्षी अरुण कुमार ने एक व्यक्ति को अचानक सड़क पर गिरते देखा। दोनों पुलिसकर्मियों ने उसकी हालत गंभीर देख बिना देरी किए मौके पर ही सीपीआर देना शुरू कर दिया।

इससे व्यक्ति की सांसें सुचारू हो सकीं। इसके बाद स्थानीय थाना पुलिस को सूचना देकर एंबुलेंस के माध्यम से पीड़ित को संयुक्त जिला अस्पताल, संजय नगर में भर्ती कराया गया।

अस्पताल पहुंचे परिजनों ने उसकी पहचान अजय त्यागी, निवासी अवंतिका कॉलोनी, शास्त्री नगर के रूप में की। पुलिसकर्मियों की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से समय पर इलाज मिलने से उनकी जान बचाई जा सकी।

रक्षाबंधन पर सड़कों से मेट्रो तक पुलिस का पहरा, मिशन शक्ति टीम ने संभाली सुरक्षा

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन पर्व को लेकर गाजियाबाद पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पर्व की पूर्व संध्या पर मिशन शक्ति केंद्र की प्रभारियों ने टीम के साथ शहर के भीड़भाड़ वाले बाजारों, बस स्टॉप और मेट्रो स्टेशनों पर सघन गश्त की। नव-आवंटित चार पहिया वाहनों से भी पेट्रोलिंग कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी गई।

सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली श्रीमती उपासना पाण्डेय ने रेलवे स्टेशन और शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन पर फुट पेट्रोलिंग कर संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की चेकिंग कराई। उन्होंने यात्रियों और आमजन से संवाद कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। बैरियर प्वाइंटों पर भी वाहनों और संदिग्ध लोगों की गहन जांच की गई। वहीं, सहायक पुलिस आयुक्त नन्दग्राम श्री जियाउद्दीन अहमद ने थाना सिहानीगेट क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले इलाकों में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था लगातार प्रभावी रहेगी।

रक्षाबंधन की खुशियों में रंगी हथेलियां, निःशुल्क मेहंदी शिविर में उमड़ा उत्साह

कपिल चौहान

खोड़ा(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन के पावन पर्व को लेकर विश्व हिंदू परिषद और दुर्गा वाहिनी की बहनों ने अपनी टीम के साथ निःशुल्क मेहंदी शिविर का आयोजन किया। शिविर में विभिन्न समाजों की बहनों और युवतियों ने उत्साह के साथ पहुंचकर निःशुल्क मेहंदी लगवाई। पर्व की खुशियों के बीच आयोजन स्थल पर खासा उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम में खोड़ा प्रखंड की दुर्गा वाहिनी संयोजिका बहन बबली सोलंकी के मार्गदर्शन में कार्यकर्ता टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी बहनों ने मिलकर शिविर को सफल बनाने में सहयोग किया।

आयोजकों ने बताया कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का पर्व ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों का भी प्रतीक है। मेहंदी शिविर के माध्यम से बहनों ने आपसी स्नेह, एकता और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया। आयोजन में महिलाओं की बढ़-चढ़कर भागीदारी रही और सभी ने